mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-05 अंक-281 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
12 अक्टूबर 2025 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

रोहित शर्मा को मिली...
@ पेज 7

मोहन भागवत बोले :आरएसएस जैसी संस्था केवल नागपुर में बन सकती थी

यहां पहले से त्याग-समाज सेवा की भावना

नागपुर, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ चीफ मोहन भागवत ने कहा, देश में कई लोग हिंदुत्व पर गर्व करते थे और हिंदू एकता की बात करते थे, लेकिन RSS जैसी संस्था केवल नागपुर में ही बन सकती थी। यहां पहले से ही त्याग और समाज सेवा की भावना थी। उन्होंने कहा- RSS ने हाल ही में दशहरे पर अपने 100 साल पूरे किए। इसकी स्थापना साल 1925 में नागपुर में डॉ. हेडगेवार ने की थी। संगठन का उद्देश्य समाज में अनुशासन, सेवा, सांस्कृतिक जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना पैदा करना था।

शुक्रवार को नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान भागवत ने कहा : छत्रपति शिवाजी महाराज ने स्वराज की स्थापना अपने लिए नहीं, बल्कि ईश्वर, धर्म और राष्ट्र के लिए की थी। उन्होंने लोगों को एक महान उद्देश्य के लिए जोड़ा। उनकी एकता की भावना ने समाज को ताकत दी। जब तक उनके आदर्श जीवित रहे, तब तक समाज में प्रगति और विकास होता रहा। उनके विचारों ने आगे चलकर 1857 के स्वतंत्रता संग्राम तक को प्रेरित किया।

भागवत बोले- इतिहास से सीखें

RSS चीफ ने कहा कि ब्रिटिश शासन ने योजनाबद्ध तरीके से उन प्रतीकों और परंपराओं को खत्म करने की कोशिश की, जो भारतीयों को एकजुट करती थीं। इसलिए इतिहास से सीखें और उन लोगों की निस्वार्थ भावना को याद रखें, जिन्होंने समाज और देश के हित के लिए काम किया 100 साल का संघ, एपिसोड-1-मुस्लिमों का साथ देने पर गांधी से नाराज एक कांग्रेसी ने बनाया RSS, उनकी आखिरी चिट्ठी पढ़ सब हैरान क्यों रह गए

अफगानी मंत्री ने महिला पत्रकारों की एंट्री रोकी

प्रियंका का पीएम से सवाल- महिलाओं का अपमान कैसे होने दिया; केंद्र बोला- हमारा कोई रोल नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों की एंट्री पर रोक लगाने पर विवाद हो गया है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने पीएम मोदी से पूछा- भारत में हमारे ही देश की कुछ सबसे सक्षम महिलाओं का अपमान कैसे होने दिया गया, जबकि महिलाएं ही देश की रीढ़ और गौरव हैं।

वहीं, विवाद बढ़ने पर भारत के विदेश मंत्रालय (MEA) ने कहा कि अफगानिस्तान के विदेश मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनका कोई रोल नहीं था। न ही उनकी तरफ से पत्रकारों को बुलाया गया था। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस अफगानी एंबेसी में हुई थी।

विदेश मंत्रालय ने कहा- जब अफगानिस्तानी मंत्री दिल्ली आए तो मुंबई स्थित अफगानिस्तान के कार्उसिल जनरल ने ही 10 अक्टूबर को चुनिंदा पत्रकारों को आमंत्रण भेजा था। अफगान दूतावास भारत सरकार के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। बता दें कि अफगानी विदेश मंत्री 9 से 16 अक्टूबर तक भारत दौरे पर हैं।

भारत दौरे पर अफगानी मंत्री, सिर्फ पुरुष पत्रकारों से बात की अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर मुत्तकी 9 अक्टूबर से भारत दौरे पर हैं। उन्होंने शुक्रवार को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों मंत्रियों की मीटिंग के बाद कोई जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं हुई। अफगानी मंत्री ने अकेले अफगानिस्तान दूतावास में मीडिया से बात की।

हालांकि, इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में केवल चुनिंदा पुरुष पत्रकार और अफगान दूतावास के अधिकारी ही शामिल हुए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक भी महिला पत्रकार नहीं थी। कई महिला पत्रकारों ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि उन्हें एंट्री ही नहीं दी गई।

राहुल समेत कई विपक्ष नेताओं ने पीएम पर निशाना साधा

राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष : पीएम मोदी, जब आप महिला पत्रकारों को सार्वजनिक मंचों से बाहर रखने की इजाजत देते हैं, तो आप भारत की हर महिला को यह बता रहे होते हैं कि आप बहुत कमजोर हैं और उनके लिए खड़े नहीं हो सकते। इस तरह के भेदभाव पर आपकी चुप्पी नारी शक्ति पर आपके नारों की खोखलीपन को उजागर करती है।

पी चिदंबरम, पूर्व गृह मंत्री और कांग्रेस नेता : मुझे इस बात पर हैरानी है कि अफगानिस्तान के अमीर खान मुत्तकी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों को शामिल नहीं किया गया। मुझे लगता है कि जब पुरुष पत्रकारों को पता चला कि उनकी महिला सहकर्मियों को नहीं बुलाया गया है, तो उन्हें बाहर चले जाना चाहिए था।

महुआ मोइत्रा, तृणमूल कांग्रेस (TMC) सांसद : एक भारतीय मुस्लिम अपनी छत पर नमाज नहीं पढ़ सकता, पैगंबर से प्यार का इजहार नहीं कर सकता है, लेकिन एक विदेशी मुस्लिम कट्टरपंथी अपनी आस्था के नाम पर हमारी जमीन पर हमारी औरतों के साथ हमारे कानूनों और मूल्यों का उल्लंघन करते हुए भेदभाव कर सकता है। इसके बारे में जरा सोचिए।

अरुणाचल में आया 3.5 तीव्रता का भूकंप, किसी हताहत नहीं

इटानगर, एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश में मध्यम तीव्रता का भूकंप आया है। शनिवार सुबह 8:31:35 बजे आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.5 मापी गयी। अंतिम सूचना मिलने तक किसी के हताहत होने या अन्य नुकसान की खबर नहीं है।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर बताया कि शनिवार सुबह 8:31:35 बजे आए 3.5 तीव्रता के भूकंप का केंद्र पूर्वी कामेंग जिले में 5 किलोमीटर की गहराई पर, 27.52ए उत्तर अक्षांश और 92.85ए पूर्व देशांतर पर स्थित था। हालांकि, जिले के कुछ हिस्सों में झटके महसूस किए गए, लेकिन अभी तक किसी भी तरह के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। प्रशासन स्थिति पर नजर रखे हुए है।

जम्मू-कश्मीर में हो रहा विकास, वहां की 99.99 प्रतिशत जनता भारत सरकार के साथ; सुप्रीम कोर्ट में केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने के मामले में केंद्र सरकार वहां की सरकार से परामर्श कर रही है। जम्मू-कश्मीर क्षेत्र ने प्रगति की है और सभी खुश हैं। वहां के 99.99 प्रतिशत लोग भारत सरकार को अपनी सरकार मानते हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान शीर्ष कोर्ट के सामने यह बात कही। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग वाली कई याचिकाओं पर जवाब दाखिल करने के लिए केंद्र सरकार को और चार सप्ताह का समय दे दिया।

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले का संदर्भ देते हुए कहा, सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद ही केंद्र निर्णय ले सकता है...देखिए पहलगाम में क्या हुआ था। अदालत ने 14 अगस्त को केंद्र से इस मामले में याचिका पर जवाब देने को कहा था। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए और एक निर्वाचित सरकार बनी। मेहता ने कहा कि पिछले छह वर्षों में जम्मू-कश्मीर में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। लोग खुश हैं। उन्होंने दलील दी कि हाल के दिनों में पहलगाम हमले सहित कुछ घटनाएं हुई हैं और राज्य का दर्जा बहाल करने पर अंतिम निर्णय लेने से पहले इन सभी घटनाओं पर विचार करना होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने 35,440 करोड़ रुपये की दो बड़ी कृषि योजनाओं का शुभारंभ किया

मोदी बोले-हमने बीज से लेकर बाजार तक सुधार किए

पिछली सरकारों ने कृषि को छोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार दोपहर दिल्ली के भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (IARI) में कृषि क्षेत्र के लिए 35 हजार 440 करोड़ की दो बड़ी योजनाएं शुरू कीं। उन्होंने पीएम 11,440 करोड़ की दाल उत्पादन मिशन योजना और 24 हजार करोड़ की पीएम धन धान्य कृषि योजना का उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि, कृषि और खेती हमेशा हमारे विकास यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा रही हैं। समय के साथ यह जरूरी है कि कृषि को सरकार का समर्थन मिलता रहे। दुर्भाग्य से पिछली सरकारों ने कृषि को छोड़ दिया था।

पीएम ने कहा कि 21वीं सदी के भारत को तेजी से विकसित करने के लिए हमारी कृषि प्रणाली में सुधार आवश्यक था। यह काम 2014 में शुरू हुआ। हमने पिछली सरकारों के लापरवाह रवैये को बदला। बीज से लेकर बाजार तक, किसानों के लाभ के लिए अनगिनत सुधार किए।

पिछली सरकारों ने पिछड़े जिलों को भुलाया : पीएम मोदी ने कहा- पिछली सरकारों ने देश के 100 से अधिक जिलों को पिछड़ा घोषित किया, फिर उन्हें भुला दिया। हमने इन जिलों पर विशेष ध्यान दिया, इन्हें आशास्पद जिले (Aspirational Districts) घोषित किया।

इन जिलों को सह-संयोजन, सहयोग और प्रतिस्पर्धा के अपने मंत्र से बदला। यहां की 20% बस्तियों में स्वतंत्रता के बाद भी सड़क नहीं थी। आज इन बस्तियों का अधिकांश हिस्सा सड़कों से जुड़ चुका है। पहले यहां के 17% बच्चों को टीकाकरण का लाभ नहीं मिल रहा था, लेकिन आज मिल रहा है। 15त से अधिक स्कूलों में बिजली नहीं थी, लेकिन अब योजना के तहत हर स्कूल में बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है।

दूध के प्रोडक्शन भारत नंबर 1 : पीएम ने कहा- भारत दुनिया में दूध उत्पादन में नंबर वन हैं। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश है। 2014 के मुकाबले शहद का उत्पादन भी दोगुना हुआ है। अंडे का प्रोडक्शन भी पिछले 11 सालों में दोगुना हुआ। उन्होंने कहा कि पिछले 11 सालों में भारत का कृषि निर्यात लगभग दोगुना हो गया है। अन्न उत्पादन में लगभग 90 मिलियन मीट्रिक टन की वृद्धि हुई है। फल और सब्जियों का उत्पादन 64 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक बढ़ा है। पिछले 11 सालों में देश में छह बड़े फर्टीलाइजर प्लांट बनाए गए। किसानों को 2.5 करोड़ से अधिक मिट्टी स्वास्थ्य कार्ड बांटे। माइक्रो-इरीगेशन की सुविधा 100 लाख हेक्टेयर तक पहुंची। पीएम फसल बीमा योजना से लगभग 2 लाख करोड़ के क्लेम मिले।

10 हजार से ज्यादा किसान उत्पादक संघ का गठन

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 11 साल में 10 हजार से ज्यादा किसान उत्पादक संघ (FPOs) का गठन किया गया। इन सालों में देश के किसानों ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। आज देश का स्वभाव ऐसा हो गया है कि सिर्फ कुछ उपलब्धियों से संतुष्टि नहीं होती। यदि हम विकसित बनना चाहते हैं, तो हमें हर क्षेत्र में लगातार सुधार करना होगा। पीएम धन-धान्य कृषि योजना इसी सोच का परिणाम है।

815 करोड़ के प्रोजेक्ट की नींव रखी-पीएम मोदी ने कार्यक्रम में 815 करोड़ रुपए की लागत से तैयार होने वाली आंध्र प्रदेश में इंटीग्रेटेड कोल्ड चेन और वैल्यू एडिशन सुविधाएं, उत्तराखंड में ट्राउट मत्स्य पालन, नगालैंड में एकीकृत एक्वा पार्क, पुडुचेरी में स्मार्ट फिशिंग हार्बर और ओडिशा के हीराकुंड में एडवांस्ड एक्वा पार्क की भी नींव रखी।

शिवराज सिंह चौहान बोले- किसानों को सही मूल्य मिले

कार्यक्रम में मौजूद केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री ने रबी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) बढ़ाया है। MSP बढ़ाने से तय हुआ है कि किसानों को उनकी उपज के लिए सही और पूरा मूल्य मिले। हम प्रधानमंत्री के आभारी हैं क्योंकि पीएम-किसान सम्मान निधि के तहत अब तक डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए 3 लाख 90 हजार करोड़ रुपए जमा किए जा चुके हैं।

दाल उत्पादन मिशन के लक्ष्य...

- दालों की पैदावार बढ़ाई जाएगी।
- खेती का क्षेत्र बढ़ाया जाएगा।
- दाल की खरीद, स्टोरेज और प्रोसेसिंग को बेहतर बनाना।
- नुकसान को कम करने के उपाय किए जाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट बोला- वॉट्सएप यों, स्वदेशी एप अपनाएं

सोशल मीडिया अकाउंट्स को सस्पेंड-ब्लॉक करने के नियम बनाने की मांग थी, याचिका खारिज

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उस याचिका खारिज कर दिया, जिसमें देशभर में सोशल मीडिया अकाउंट्स को सस्पेंड या ब्लॉक करने के नियम बनाने की मांग थी। याचिकाकर्ता चाहते थे कि सोशल मीडिया कंपनियां अकाउंट सस्पेंड या ब्लॉक करने में साफ प्रक्रिया, पारदर्शिता और संतुलन रखें। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने अनुच्छेद 32 के तहत कहा कि वॉट्सएप तक पहुंच को मौलिक अधिकार कैसे कहा जा सकता है। बेंच ने यह भी कहा कि हाल ही में एक देशी मैसेजिंग एप लॉन्च हुआ है, जिसे याचिकाकर्ता इस्तेमाल कर सकते हैं। कोर्ट ने यह सुझाव भी दिया कि अगर चाहें तो याचिकाकर्ता इस मामले को निचली अदालत में भी ले जा सकते हैं।

स्वदेशी एप अरट्टाई के डाउनलोड 100 गुना तक बढ़े- सुप्रीम कोर्ट ने दरअसल जोहो कंपनी का नया मैसेजिंग एप 'अरट्टाई' का जिक्र किया था। इस एप के डाउनलोड में सितंबर में 100 गुना बढ़ोतरी हुई। 3 अक्टूबर तक इसे 75 लाख बार डाउनलोड किया जा चुका था। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने भी इस एप का इस्तेमाल शुरू कर दिया है।

इंडिगो फ्लाइट का लैंडिंग से पहले दरका विंडशील्ड, 76 यात्री थे सवार

अकासा एयर के विमान से टकराया पक्षी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो के विमान की चेन्नई हवाई अड्डे पर लैंडिंग से पहले बड़ी घटना होते-होते बची। मदुरै से चेन्नई आ रही इंडियो फ्लाइट के विंडशील्ड में दरार आ गई। जानकारी के अनुसार विमान के कॉकपिट ग्लास में आई दरार पर लैंडिंग से ठीक पहले पायलट को नजर पड़ी, जिसके बाद पायलट ने तुरंत इसकी सूचना हवाई अड्डे पर एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को दी। कॉकपिट ग्लास में दरार, विमान में सवार थे 76 यात्री-दर असल, शनिवार को इंडियो विमान 76 यात्रियों को लेकर मदुरै से चेन्नई जा रही थी। इस दौरान चेन्नई एयरपोर्ट पर उतरने से पहले पायलट की नजर विंडशील्ड में आई दरार पर पड़ी।पायलट ने आगे के शीशे में दरार देखी और फौरन हवाई अड्डे पर एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को सूचित किया। जिसके बाद एयरपोर्ट पर व्यवस्था की गई और विमान सुरक्षित रूप से उतर गया।

राष्ट्रपति मुर्मु ने किए भगवान द्वारकाधीश के दर्शन

गांधीनगर,एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आज गुजरात के द्वारका पहुंची। उन्होंने द्वारका में भगवान द्वारकाधीश के चरणों में शीश झुकाकर दर्शन किए। राष्ट्रपति ने भगवान द्वारकाधीश से भारत के नागरिकों के सुख, शांति और समृद्धि के लिए हृदयपूर्वक प्रार्थना की। उन्होंने भक्तिभाव से शास्त्रोक्त विधि अनुसार पादुका पूजन कर धन्यता का अनुभव किया। इस अवसर पर द्वारकाधीश मंदिर में पर्यटन मंत्री मूलुभाई बेर, जिला कलेक्टर राजेश तन्ना, रेंज आईजी अशोककुमार यादव, पुलिस अधीक्षक जयराजसिंह वाला, प्रांत अधिकारी अमोल आवटे, प्रशासक तथा नायब कलेक्टर हिमांशु चौहान ने राष्ट्रपति का ऊपरणा, द्वारका मंदिर की प्रतिकृति, फूल और तुलसी से निर्मित अनुग्रहम अगरबत्ती, गोल्ड प्लेटेड द्वारकाधीश का स्वरूप तथा प्रसाद भेंट कर स्वागत किया। राष्ट्रपति के साथ उनकी पुत्री इतिश्री मुर्मु और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

मायावती की मांग, हरियाणा आईपीएस आत्महत्या प्रकरण की हो निषपक्ष जांच

लखनऊ,एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने हरियाणा में आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार की आत्महत्या मामले में कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि एक सभ्य सरकार के लिये यह शर्मनाक है। यह साबित करती है कि लाख दावों के बावजूद जातिवाद का दंश कितना अधिक खासकर शासन-प्रशासन में हावी है और सरकारें इसको रोक पाने में विफल साबित हो रही हैं। उन्होंने इस घटना की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। बसपा प्रमुख ने शनिवार को एक्स पर एक लंबी पोस्ट में लिखा, हरियाणा राज्य में आईजी रैंक के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी वाई. पूरन कुमार, जिनकी पत्नी भी स्वंय हरियाणा की वरिष्ठ आईएएस अधिकारी हैं, ने जातिवादी शोषण व प्रताड़ना के कारण की गयी आत्महत्या की घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। खासकर दलित व बहुजन समाज के लोग काफी उद्वेलित हैं। उन्होंने कहा, यह अति-दुखद व अति-गंभीर घटना खासकर एक सभ्य सरकार के लिये शर्मनाक है और यह साबित करती है कि लाख दावों के बावजूद जातिवाद का दंश कितना अधिक ख़ासकर शासन-प्रशासन में हावी है और सरकारें इसको रोक पाने में विफल साबित हो रही हैं।

पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में मेडिकल स्टूडेंट से गैंगरेप

दोस्त के साथ डिनर पर गई थी; लौटते समय युवकों ने रास्ता रोका, दरिंदगी की

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले के दुर्गापुर में एक मेडिकल स्टूडेंट के साथ शुक्रवार को गैंगरेप हुआ। पीड़ित अपने एक पुरुष दोस्त के साथ डिनर पर गई थी। वापस लौटते समय कुछ युवकों ने उनका रास्ता रोका। फिर उसके साथी को वहां से भगाकर छात्रा से दरिंदगी की। पुलिस ने शनिवार को बताया कि पीड़ित ओडिशा के जलेश्वर की रहने वाली है और दुर्गापुर के एक प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में सेकेंड ईयर की स्टूडेंट है। यह घटना मेडिकल कॉलेज कैंपस के बाहर हुई। मेडिकल छात्रा का पास के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। छात्रा के साथ गैंगरेप की घटना रात करीब 8:30 से 9 बजे के बीच की बताई जा रही है। आज सुबह छात्रा के माता-पिता दुर्गापुर पहुंचे। छात्रा के पिता ने कहा- हमने अपनी बेटी को यहां मेडिकल की पढ़ाई के लिए भेजा था। सुना था कि कॉलेज अच्छा है, लेकिन यहां सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है। पीड़ित के माता-पिता की शिकायत पर दुर्गापुर न्यू टाउन थाने में मामला दर्ज किया गया है।

अखिलेश यादव के फेसबुक अकाउंट ब्लॉक करने में सरकार की कोई भूमिका नहीं : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का फेसबुक अकाउंट 12 घंटे ब्लॉक रहा। इस पर समाजवादी पार्टी ने इस कार्रवाई को लोकतंत्र पर हमला करार दिया। इन आरोपों पर सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सरकार की किसी भी भूमिका से इनकार किया।

वैष्णव ने शनिवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि इस कार्रवाई में सरकार की कोई भूमिका नहीं है। अखिलेश यादव के पेज को फेसबुक की नीति उल्लंघन, विशेष रूप से अपमानजनक भाषा के कारण हटाया गया था। वैष्णव ने कहा कि इस कार्रवाई में सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं है।

उल्लेखनीय है कि शुक्रवार रात को अखिलेश यादव का फेसबुक अकाउंट ब्लॉक कर दिया गया था। उनके आठ मिलियन फेसबुक फॉलोअर्स हैं। समाजवादी पार्टी की आईटी टीम ने मेटा को इसकी सूचना दी तो शनिवार को दिन में इसको बहाल कर दिया गया है। मेटा ने यह कार्रवाई उनके फेसबुक पर 'हिंसक और अश्लील पोस्ट' के कारण की थीं। मेटा की इस कार्रवाई पर सपा नेताओं ने सरकार को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया था। सपा प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने पेज सस्पेंशन को लेकर आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार ने विरोधी आवाजों को दबाने का प्रयास किया है। अखिलेश का वेरिफाइड अकाउंट बिना सरकारी दबाव के सस्पेंड नहीं हो सकता।

सीएम रेखा ने 11 कोरोना योद्धाओं के परिवारों को दिए एक करोड़ के चेक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को 11 कोरोना योद्धाओं के परिवारों को एक करोड़ रुपये की राशि दी। सीएम ने कोविड-19 के दौरान मृतकों के परिवारों को चेक वितरण करने पर कहा कि इन लोगों के आवेदन वर्षों से पड़े थे। कोविड-19 के दौरान जब पूरी दुनिया अपने घरों में थी, तब भी ये लोगों को बचाने के लिए काम कर रहे थे। किसी सफाई कर्मचारी, डॉक्टर, नर्स ने छुट्टी नहीं ली, किसी ने मना नहीं किया, ऐसे में सरकार ने उन्हें उनका हक नहीं दिया।आगे कहा कि पिछली सरकार किस काम में लगी थी कि उन्हें कई साल तक याद नहीं आया कि उन्हें पैसे देने हैं... मैं इन सभी परिवारों से क्षमाप्रार्थी हूं, और आज हमने उनके हक का पैसा वितरित किया है। शनिवार को उन्होंने 11 परिवारों को एक करोड़ की अनुग्रह राशि के चेक सौंपे। यह उन डॉक्टरों, नर्सों और सफाई कर्मचारियों के लिए है, जो महामारी के दौरान ड्यूटी पर थे। मृतक कोरोना योद्धाओं के परिवार के सदस्यों से सीएम ने बातचीत भी की। जून में, दिल्ली के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद, कपिल मिश्रा और पंकज कुमार सिंह की एक टीम का गठन किया गया था ताकि राशि वितरण प्रक्रिया में तेजी लाई जा सके। सरकार ने वादा किया है कि बाकी लंबित मामलों को जल्द सुलझाया जाएगा।

पैसों के विवाद में टैंपो चालक ने की मालिक की हत्या, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

दिल्ली, एजेंसी। बुध विहार में पैसों के विवाद में टैंपो चालक ने मालिक की चाकू गोदकर हत्या कर दी। मृतक की शिनाख्त रिठाला की पाल कॉलोनी निवासी (45) जितेंद्र यादव के रूप में हुई। पुलिस ने छानबीन करते हुए फरार आरोपी शक्ति को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से हत्या में इस्तेमाल चाकू बरामद कर लिया है। रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया कि 2 अक्तूबर को बुध विहार थाने को अंबेडकर अस्पताल से एक व्यक्ति को चाकू मारे जाने के बाद भर्ती किए जाने की जानकारी मिली। घायल की पहचान रिठाला निवासी जितेंद्र यादव के रूप में हुई। वह बयान देने की स्थिति में नहीं था। पुलिस वहां से घटनास्थल बजाज सर्विस सेंटर के पास पहुंची, वहां पीड़ित का 14 साल का बेटा मिला, जो चश्मदीद था। बेटे ने पुलिस को बताया कि दोपहर को उनके टैंपो का ड्राइवर रिठाला निवासी शक्ति उसके पिता से बार-बार पैसे मांग रहा था। कहासुनी के दौरान शक्ति ने अचानक उसके पिता पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने बेटे के बयान पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। इसी बीच 8 अक्तूबर को जितेंद्र यादव ने दम तोड़ दिया। इस पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया। थाना प्रभारी करुणा सागर के नेतृत्व में पुलिस ने तकनीकी जांच कर आरोपी शक्ति को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह जितेंद्र के टैंपो का चालक था। उसका काम के भुगतान को लेकर विवाद था। जितेंद्र भुगतान पूरा नहीं कर रहा था इसलिए उसने सबक सिखाने के लिए हमला किया। जांच में पता चला कि शक्ति पर पहले से लूट और डकैती के दो मामले दर्ज हैं।

जाम का सबब बन रहा सड़क पर पड़ा मलबा

पूर्वी दिल्ली, एजेंसी। कड़कड़ी मोड़ फ्लाईओवर से लेकर हसनपुर बस डिपो तक करीब पांच सौ मीटर तक सड़क पर जगह-जगह मलबा पड़ा हुआ है। वहीं, शकरपुर स्कूल ब्लॉक स्थित अक्षरधाम-नोएडा रोड की ओर जाने वाले मार्ग पर भी मलबा पसरा हुआ है। इससे आवाजाही प्रभावित हो रही है और सड़क हादसे की आशंका भी बनी रहती है। इस वजह से चालक सतर्कता से धीरे-धीरे निकलते है और जाम जैसी स्थिति बन जाती है। लोगों का कहना है कि व्यस्त समय में इलाके से गुजरने पर हालत खराब हो जाती है। गाड़ियां सड़क पर रेंगते हुए नजर आती हैं। गाजीपुर सब्जी मंडी जा रहे प्रमोद कुमार ने बताया कि सड़क पर मलबा होने की वजह से सड़कें संकरी हो गई हैं। वाहन बहुत धीरे-धीरे चलते है जिस वजह से इलाके में जाम लग जाता है। उन्होंने बताया कि कई बार तो काफी देर तक गाड़ियां अपनी जगह से हिलती भी नहीं हैं। ऐसे में समय खराब हो जाता है। कड़कड़डूमा निवासी आलोक ने बताया कि कड़कड़ी मोड़ फ्लाईओवर के पास कई महीनों से मलबे का ढेर पड़ा हुआ है। यह दिन-ब-दिन बढ़ता ही जा रहा है। आसपास के लोग भी यहां पर मलबा डालकर चले जाते हैं। लक्ष्मी नगर निवासी अनिल त्यागी ने दावा किया कि शकरपुर स्कूल ब्लॉक के पास मलबा न डालने का बोर्ड लगा होने के बावजूद यहां पर मलबा फेंका जा रहा है। इस वजह से इलाके में जाम लग जाता है। प्रीत विहार निवासी अकर्ष ने बताया कि हसनपुर बस स्टॉप से लेकर कड़कड़ी मोड़ तक कई महीनों से मलबा पड़ा हुआ है, जिस पर अधिकारियों का ध्यान नहीं जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि यह मलबा हादसे को दावत दे रहा है। वहीं, अधिकारी लापरवाह बने हुए हैं, शायद उन्हें किसी बड़े हादसे का इंतजार है।

सीएनजी बस में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। मोरी गेट इलाके में शुक्रवार सुबह क्लस्टर की सीएनजी बस में आग लग गई। आग लगते ही अफरातफरी मच गई। आग लगने के दौरान बस में चार-पांच सवारियां बैठी थीं, जो सुरक्षित बाहर निकल गईं। सूचना मिलते ही दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। एक घंटे में दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। दमकल विभाग के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 11.15 बजे सूचना मिली कि तीस हजारी सर्कल मोरी गेट के पास एक बस में आग लग गई है। सूचना मिलते ही दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और एक घंटे के भीतर आग पर काबू पा लिया। जांच में पता चला कि बस सवारियों को लेकर मोरी गेट पहुंची थी। ताकि भविष्य में स्थायी समाधान निकाला जा सके। यह पूरी प्रक्रिया डिजिटल इंडिया मिशन और स्मार्ट हाइवे मैनेजमेंट की दिशा में भी अहम कदम मानी जा रही है।इसी दौरान इंजन से धुआं निकलने लगा। धुआं निकलते ही चालक और कंडक्टर में सुझबूझ का परिचय देते हुए बस को किनारे रोक दिया और यात्रियों को बाहर निकाल लिया। इसी दौरान इंजन से आग की लपटें निकलने लगीं और कुछ ही देर में आग पूरी बस में फैल गई। आग में कोई हताहत नहीं हुआ है। पुलिस आग लगने के कारणों की जानकारी के लिए बस की तकनीकी जांच करवा रही है।

कूड़े से आजादी अभियान में एमसीडी फेल, मंत्री की बैठक में नहीं पहुंचे आयुक्त सरकार अब एक्शन के मूड में

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली को कूड़े से आजादी दिलाने के नाम पर दो महीने से चले लंबे अभियान की अब पोल खुलने लगी है। दिल्ली सरकार के अभियान की समीक्षा बैठक में शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने एमसीडी के कामकाज पर तीखी नाराजगी जाहिर की। इतनी अहम समीक्षा बैठक में एमसीडी के आयुक्त ही नहीं पहुंचे। उनकी अनुपस्थिति ने सरकार की नाराजगी को और बढ़ा दिया।

सूत्रों के अनुसार, आशीष सूद ने कहा कि जिस तात्कालिकता और गंभीरता से यह अभियान चलाया जाना चाहिए था, वह जमीन पर कहीं दिखाई नहीं दी। जनता को दिखावे नहीं, नतीजे चाहिए। उन्होंने एमसीडी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ महापौर राजा इकबाल सिंह, स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा और नेता सदन प्रवेश वाही को भी जमकर फटकार लगाई। मंत्री ने कहा कि गली-मोहल्लों में नियमित कूड़ा उठान और सफाई व्यवस्था में सुधार के मामले में नतीजे निराशाजनक रहे हैं। मंत्री ने कहा कि सरकार ने अभियान को सफल बनाने के साथ-साथ भविष्य में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए हर स्तर पर सहयोग दिया, लेकिन एमसीडी का रवैया ढीला और मनमाना बना रहा। जब अफसर ही जिम्मेदारी से भागेंगे तो कर्मचारी और ठेकेदार कैसे जवाबदेह बनेंगे? बैठक में पेश की गई रिपोर्ट में यह बात सामने आई कि कई जोन में कूड़ा प्रबंधन की स्थिति जस की तस है। डोर-टू-डोर कलेक्शन अधूरा है, सेग्रीगेशन (गीले-सूखे कचरे का पृथक्करण) में लापरवाही बरती जा रही है और रीसाइक्लिंग इकाइयों तक कचरा पहुंचने की प्रक्रिया बाधित है। इसके अलावा कूड़ा उठाने के लिए लोडर व अन्य वाहन नहीं खरीदे गए। मंत्री ने निर्देश दिया कि इस स्थिति में तत्काल सुधार लाया जाए, अन्यथा कार्रवाई तय है।

मंत्री ने एमसीडी की उच्च स्तरीय समन्वय बैठकों की भी समीक्षा की और पूछा कि यदि नियमित निगरानी बैठकें हो रही थीं, तो जमीन पर सुधार क्यों नहीं दिख रहा। उन्होंने इस बात पर भी असंतोष जताया कि निगम प्रशासन की ओर से कई बार मांगी गई प्रगति रिपोर्ट समय पर नहीं दी गई। इस संबंध में एक बार सरकार की ओर से एमसीडी को पत्र लिखा गया था। मंत्री ने कहा कि सरकार दिल्ली को कूड़े से मुक्ति दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन अगर एमसीडी ने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई तो सीधे जवाबदेही तय होगी। शहरी विकास मंत्री ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि सरकार अब एमसीडी से जवाब तलब करेगी और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई से भी पीछे नहीं हटेगी।

दो मंजिला मकान गिरा, महिला की मौत, पांच साल की बेटी घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तम नगर के हस्तसाल गांव में शुक्रवार दोपहर दो मंजिला मकान भरभराकर गिर गया। मकान गिरते ही अफरातफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल, पुलिस, एनडीआरएफ और राहत से जुड़ीं अन्य एजेंसियों के कर्मचारी मौके पर पहुंच गए। कुछ देर में बचाव दल ने मलबे से मकान मालिक नीरज की पांच साल की बेटी और पत्नी को बाहर निकालकर अस्पताल में पहुंचाया। डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया।मृतका की पहचान 33 साल की पूनम के रूप में हुई। घायल बच्ची नव्या को प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। मलबे में अन्य लोगों के फंसे होने की आशंका को देखते हुए एजेंसियां मलबा हटाने के काम में जुट गई लेकिन नीचे और कोई नहीं मिला। शुरुआती जांच में पता चला कि मकान जर्जर हालत में था। पुलिस मकान गिरने के कारणों की जांच कर रही है। दमकल अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार दोपहर 3.10 बजे उत्तम नगर के हस्तसाल गांव में दो मंजिला मकान गिरने और उसमें कुछ लोगों के दबे होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। मकान गिरने के बाद आसपास के लोग तुरंत भागकर वहां पहुंचे और मलबा हटाने के काम में जुट गए। थोड़ी ही देर में गली में सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई।

AIIMS में 20 लाख की सर्जरी अब 20 हजार में, देश का पहला रोबोटिक किडनी ट्रांसप्लांट किया, इनके लिए निशुल्क

नई दिल्ली,एजेंसी। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने रोबोटिक किडनी ट्रांसप्लांट को किफायती बनाकर चिकित्सा क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। एम्स अस्पताल के प्रशासन का दावा है कि जहां निजी अस्पतालों में इस सर्जरी के लिए 20 लाख रुपये से अधिक खर्च होते हैं, वहीं एम्स में यह निशुल्क या मात्र 20 से 25 हजार रुपये में संभव हो रहा है।

यही नहीं, इसकी सबसे खास बात यह है कि आयुष्मान भारत कार्डधारकों के लिए यह सुविधा निशुल्क भी उपलब्ध होगी। शुक्रवार को सर्जरी एवं रीनल

ट्रांसप्लांट विभाग के प्रो. वीके बंसल और विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील चुम्बर ने इस बारे में जानकारी दी। एम्स में आयोजित एक कार्यक्रम में दावा किया गया कि आठ अक्तूबर को एम्स में 27 वर्षीय मरीज का रोबोट-सहायता से किडनी ट्रांसप्लांट किया गया। यह तीन सितंबर से अब तक की पांचवीं सर्जरी थी। सर्जरी विभाग के प्रो. वीके बंसल ने बताया कि दा विंची सर्जिकल रोबोट की मदद से सर्जरी में छोटा चीरा, कम रक्त हानि और तेज रिकवरी संभव हो रही है। मरीज को सामान्य ट्रांसप्लांट के मुकाबले कम दर्द होता है और एक सप्ताह में ही अस्पताल से छुट्टी मिल जाती है।

विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील चुम्बर ने बताया कि नवंबर, 2024 में एम्स को यह अत्याधुनिक रोबोट प्राप्त हुआ था। 27 फरवरी को पहली बार इसका उपयोग डोनर की किडनी निकालने में किया गया। अब तक पांच मरीज इस तकनीक से लाभान्वित हो चुके हैं। आयुष्मान भारत योजना के तहत एक मरीज का अगले सप्ताह सर्जरी होने वाली है।

अमेरिका में शटडाउन का 10वां दिन, चार हजार से ज्यादा संघीय कर्मचारियों को छंटनी का नोटिस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में सरकारी शटडाउन का अब तक कोई हल नहीं निकल पाया है। 10वें दिन शुक्रवार को चार हजार से ज्यादा संघीय कर्मचारियों को छंटनी के नोटिस भेजे गए। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि छंटनी के नोटिस भेजने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उधर, इस मसले पर कैपिटल हिल में गतिरोध जारी है। सरकार को उबारने के डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन प्रस्ताव गुरुवार को सीनेट में आगे नहीं बढ़ पाए। एबीसी न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, हाउस स्पीकर माइक जॉनसन ने कहा कि वह सरकारी शटडाउन के बीच सदन में कोई अलग विधेयक पारित नहीं कराएंगे। इस बीच ट्रंप प्रशासन ने माना है कि संघीय एजेंसियों ने सरकारी शटडाउन के दौरान कर्मचारियों की संख्या में कमी (आरआईएफ) के नोटिस भेजे हैं। अमेरिकन फेडरेशन ऑफ गवर्नमेंट एम्प्लॉइज और एएफएल-सीआईओ ने शटडाउन के खिलाफ दायर एक संयुक्त मुकदमे में दावा किया है कि प्रबंधन एवं बजट कार्यालय ने कहा है कि सात संघीय एजेंसियों के 4,000 से अधिक कर्मचारियों को छंटनी के नोटिस मिले हैं। संगठन ने कहा कि शुक्रवार शाम तक, वित्त मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग और शिक्षा विभाग ने सबसे अधिक नोटिस भेजे हैं। दावे के अनुसार, निम्नलिखित प्रतिवादी एजेंसियों ने आज से विनियोजन में चूक से संबंधित आरआईएफ नोटिस जारी करना शुरू कर दिया है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुष्टि की कि सरकारी शटडाउन के बीच शुक्रवार को संघीय कर्मचारियों की बड़े पैमाने पर छंटनी शुरू हो गई है। इससे पहले, व्हाइट हाउस के प्रबंधन एवं बजट कार्यालय (ओएमबी) के निदेशक रस वॉट ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था, आरआईएफ शुरू हो गए हैं। ट्रंप ने कहा है कि इस स्थिति के लिए डेमोक्रेट्स जिम्मेदार हैं। उधर, सीनेट विनियोजन समिति की अध्यक्ष रिपब्लिकन सीनेटर सुसान कॉलिन्स ने शुक्रवार को जारी ताजा बयान में संघीय कर्मचारियों को बर्खास्त करने के ओएमबी निदेशक रस वॉट के फैसले की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा, मैं ओएमबी निदेशक रस वॉट के कर्मचारी विरोधी प्रयास का कड़ा विरोध करती हूं। उन्होंने कहा कि ऐसे फैसलों से पूरे देश में परिवारों को नुकसान होता है। अमेरिका के 800,000 से ज्यादा संघीय कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले अमेरिकन फेडरेशन ऑफ गवर्नमेंट एम्प्लॉइज (एएफजीई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवरेट केली ने भी इसके लिए ट्रंप प्रशासन की कड़ी आलोचना की है। केली ने एक बयान में कहा, संघीय कर्मचारी निर्वाचित और गैर-निर्वाचित नेताओं के राजनीतिक और व्यक्तिगत लाभ के लिए मोहरे के रूप में इस्तेमाल किए जाने से थक चुके हैं।

विशाल सैन्य परेड और सबसे शक्तिशाली हथियारों का जखीरा, किम जोंग-उन ने फिर दुनिया को चौंकाया

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग-उन के नेतृत्व में सत्तारूढ़ दल ने अपनी स्थापना का 80वां वर्षगांठ का जश्न मनाया। किम जोंग और विदेशी नेताओं की मौजूदगी में आयोजित विशाल सैन्य परेड में उत्तर कोरिया ने एक बार फिर दुनिया को चौंका दिया। इस दौरान किम जोंग ने अपनी परमाणु-सशस्त्र सेना के सबसे शक्तिशाली हथियारों का प्रदर्शन किया, जिसमें एक नई अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (ICBM) भी शामिल है। जिसका परीक्षण वह आने वाले हफ्तों में करने की तैयारी कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक शुक्रवार रात बारिश में शुरू हुई और सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की स्थापना की 80वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित परेड ने किम की बढ़ती कूटनीतिक पकड़ और एक ऐसा शस्त्रागार बनाने के प्रयास को उजागर किया, जो अमेरिका और एशिया में उनके प्रतिद्वंद्वियों को प्रभावी ढंग से निशाना बना सके।

सैन्य परेड में हथियारों का जखीरा : उत्तर कोरिया की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने बताया कि परेड में ह्वासोंग-20 नामक एक नई, अभी तक परीक्षण ना की गई अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का प्रदर्शन किया गया, जिसे सबसे शक्तिशाली परमाणु रणनीतिक हथियार प्रणाली बताया गया। प्रदर्शन में शामिल अन्य हथियारों में कम दूरी की बैलिस्टिक, क्रूज और सुपरसोनिक मिसाइलें शामिल थीं, जिन्हें उत्तर कोरिया ने पहले प्रतिद्वंद्वी दक्षिण कोरिया में लक्ष्यों पर परमाणु हमला करने में सक्षम बताया था।

अमेरिका का नहीं किया सीधा जिक्र: उत्तर कोरिया की आधिकारिक केसीएनए समाचार एजेंसी के अनुसार, परेड में दिए गए भाषण में किम ने कहा कि उनकी सेना को एक अजेय शक्ति के रूप में विकसित होते रहना चाहिए जो सभी खतरों को खत्म कर दे, लेकिन उन्होंने वाशिंगटन या सियोल का कोई सीधा जिक्र नहीं किया।

रूस भेजी गई सैन्य टुकड़ी का प्रदर्शन: रूस की TASS समाचार एजेंसी की तस्वीरों और वीडियो में हजारों दर्शकों को किम जोंग उन के राष्ट्र-संस्थापक दादा के नाम पर जगमगाते किम इल सुंग स्क्वायर पर मिसाइल लगे वाहनों के गुजरते हुए दिखाया गया है। केसीएनए के मुताबिक परेड के दौरान मार्च करने वाले सैनिकों की टुकड़ियों में अजेय विदेशी संचालन इकाई शामिल थी, जिसने कोरियाई लोगों के जज्बे का पूरी तरह से प्रदर्शन किया, जिससे पता चलता है कि वे सैनिक थे, जिन्हें किम ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध प्रयास में शामिल होने के लिए रूस भेजा था। बता दें कि यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से किम ने रूस को अपनी विदेश नीति की प्राथमिकता बना लिया है, पुतिन की युद्धक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए हजारों सैनिक और तोपखाने सहित बैलिस्टिक मिसाइलों व हथियारों की बड़ी खेप भेज रहे हैं। किम ने पिछले महीने चीन का भी दौरा किया था और एक विशाल सैन्य परेड में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और पुतिन के साथ मुख्य मंच साझा किया था, जो उनकी कूटनीतिक पकड़ को मजबूत करने के उद्देश्य से एक और कदम था।

गाजा में युद्धविराम के बाद इजराइली सैनिकों के पीछे हटते ही हजारों फिलिस्तीनी घर लौटे

गाजा पट्टी, एजेंसी। गाजा पट्टी में शुक्रवार को युद्धविराम के प्रभावी होते ही इजराइल की सेना ने पीछे हटना शुरू कर दिया। इस दौरान हजारों फिलिस्तीनी अपने घर लौट आए। अपने शहरों में हुए विनाश को देखकर वह निराश महसूस कर रहे हैं। युद्धविराम लागू होते ही बिना एक पल गंवाए हजारों फिलिस्तीनियों ने गाजा के दक्षिण से गाजा शहर की ओर लंबी और धूल भरी पैदल यात्रा शुरू की। रास्ते में खंडहरों में तब्दील शहर देखकर लोगों की आंखें फटी की फटी रह गईं। सीएनएन न्यूज चैनल के प्रसारण में घरवापसी पर व्यापक चर्चा की गई है। सात अक्टूबर, 2023 को हमास के हमले के बाद से इस पट्टी में युद्ध छिड़ गया था। इससे उत्तरी गाजा की लगभग पूरी आबादी विस्थापित हो गई थी। पिछले दो वर्षों में यह इलाका मलबे में तब्दील हो चुका है। रिपोर्ट के अनुसार, हवाई फुटेज में सिर्फ खंडहर नजर आ रहे हैं। वहां न तो कोई बुनियादी ढांचा है।

गाजा में युद्धविराम प्रभावी, इजराइली सैनिकों की वापसी शुरू

गाजा पट्टी, एजेंसी। लगभग दो साल बाद पट्टी में आज की सुबह शांत रही। इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम का पहला चरण सुबह पांच (पूर्वी मानक समय) से प्रभावी हो गया। दोनों पक्ष अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की युद्धविराम योजना पर मिस्र में हुई परोक्ष बातचीत के दौरान शांति प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए। समझौते के अनुसार, हमास के पास अब सोमवार सुबह 5 बजे (पूर्वी मानक समय) तक 48 बंधकों को रिहा करने का समय है। इनमें से 20 के जीवित होने की संभावना है। इजराइली सैनिकों ने वापसी भी शुरू कर दी है। पहले चरण में गाजा के प्रमुख क्षेत्रों से इजराइली सैनिकों की वापसी और विस्थापित गाजावासियों की बड़े पैमाने पर उनके घरों में वापसी की शुरुआत भी शामिल है। सीएनएन न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, युद्धविराम प्रभावी होते ही इजराइली सैनिकों की वापसी के साथ ही हजारों फिलिस्तीनी उत्तरी गाजा में अपने घरों को लौटने लगे हैं। संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के राजदूत डैनी डैनन ने आज कहा कि शांति योजना के पहले चरण में बंधकों और फिलिस्तीनी कैदियों की अपेक्षित रिहाई आसान हिस्सा है, क्योंकि यह बिल्कुल स्पष्ट है कि हमें क्या मिल रहा है और बदले में हम क्या दे रहे हैं।

राजदूत डैनन ने कहा कि दोनों पक्ष दूसरे चरण को लागू करने के तरीके पर भी विचार कर रहे हैं। दूसरे चरण में गाजा का विसैन्यीकरण भी शामिल है। फिलहाल,पट्टी में बंधकों की रिहाई के लिए युद्धविराम की अवधि शुरू हो गई है। सोमवार दोपहर 12 बजे की समय सीमा से पहले बंधकों को सौंप दिए जाने की उम्मीद है। डैनन ने कहा कि शांति समझौते के पहले चरण के तहत इजराइली सैनिक मोर्चों से पीछे हट गए हैं। उन्होंने कहा कि अगले अनिश्चित चरणों के दौरान हम अभी भी आसपास मौजूद रहेंगे और बहुत ध्यान से देखेंगे कि क्या हो रहा है।

इस समय संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) के सैकड़ों ट्रक चिकित्सा आपूर्ति और अस्पताल उपकरणों के साथ गाजा में प्रवेश करने के लिए तैयार हैं। उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने ने बुधवार को घोषणा की थी कि मिस्र के लाल सागर स्थित शहर शर्म अल-शेख में वार्ता के बाद इजराइल और हमास दोनों ने गाजा में शांति योजना के पहले चरण पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। उधर, इजराइली सरकार ने गुरुवार को इस समझौते की पुष्टि भी की। एबीसी न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सैनिक एक समन्वय केंद्र स्थापित करने के लिए इजराइल पहुंचने लगे हैं। अब तक 200 सैनिक पहुंच चुके हैं। यह सभी गाजा में युद्धविराम समझौते के कार्यान्वयन की निगरानी करेंगे। अमेरिकी अधिकारी के अनुसार, इजराइल भेजे गए सैनिक परिवहन, योजना, रसद, सुरक्षा और इंजीनियरिंग में विशेषज्ञ हैं।

प्रधानमंत्री ने किया पीएम धन धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ

जिले के विकास में मील का पत्थर साबित होगी पीएम धन धान्य कृषि योजना : सांसद

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर, पूसा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान देश के किसान भाई-बहनों को 42,000 करोड़ रुपये से अधिक की कृषि परियोजनाओं का उपहार दिया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने पीएम धन धान्य कृषि योजना, दलहन आत्मनिर्भरता मिशन तथा राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन का शुभारंभ किया। साथ ही उन्होंने कृषि अवसंरचना कोष, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की 1100 से अधिक परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन अटल ऑडिटोरियम सीधी में किया गया, जिसमें सांसद डॉ. राजेश मिश्रा मुख्य अतिथि, विधायक सीधी रीती पाठक अध्यक्षता तथा जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह विशिष्ट अतिथि रहीं।

सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने अपने उद्बोधन में सीधी जिले को पीएम धन धान्य कृषि योजना के लिए देश के 100 जिलों में शामिल किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह योजना सीधी जिले के सर्वांगीण विकास में मील का पत्थर साबित होगी। जिले की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि पर आधारित है कृ इस योजना से कृषि क्षेत्र में उत्पादन, उत्पादकता और रोजगार के नए अवसर बढ़ेंगे, जिससे किसान खुशहाल और आत्मनिर्भर बनेगा। सांसद ने किसानों से केमिकल आधारित खेती छोड़कर प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि रासायनिक खाद और कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से मिट्टी की उर्वरा शक्ति घटती है, जल स्रोत प्रदूषित होते हैं, और फसलों की पौष्टिकता में कमी आती है। इसके विपरीत, प्राकृतिक खेती से मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार, पानी की बचत, फसल की दीर्घकालीन उत्पादकता, तथा किसानों की आय में स्थायित्व आता है। सांसद ने अधिकारियों को योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश भी दिए।

विधायक रीती पाठक ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदैव किसानों की चिंता करते हैं। उनका विश्वास है कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का सपना तभी साकार होगा जब देश का किसान आत्मनिर्भर और समृद्ध होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने किसानों के कल्याण और कृषि के आधुनिकीकरण के लिए अनेक ऐतिहासिक पहलें की हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, एग्री-इन्फ्रा फंड, और नमो ड्रोन दीदी योजना जैसी योजनाओं ने किसानों के जीवन को सहज बनाने के साथ-साथ उन्हें तकनीकी रूप से सशक्त और आर्थिक रूप से मजबूत किया है। विधायक ने कहा कि सरकार की ये योजनाएँ केवल सहायता नहीं हैं, बल्कि किसानों को उत्पादक से उद्यमी बनाने की दिशा में बड़ा कदम हैं। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे इन योजनाओं का लाभ लेकर नवाचार और आधुनिक तकनीक से जुड़ें ताकि सीधी जिला कृषि आत्मनिर्भरता का मॉडल बन सके।

उपसंचालक कृषि राजेश सिंह चौहान ने योजना के उद्देश्यों एवं क्रियान्वयन रणनीति की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना का उद्देश्य कृषि उत्पादकता में वृद्धि, फसल विविधीकरण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाना, पंचायत और ब्लॉक स्तर पर फसलोत्तर भंडारण क्षमता में वृद्धि, सिंचाई सुविधाओं में सुधार और चयनित 100 जिलों में दीर्घकालिक और अल्पकालिक ऋण की उपलब्धता को सुगम बनाना है। उन्होंने बताया कि इस योजना में सीधी जिले को भी चयनित किया गया है।

लापता व्यक्ति का शव खेत में मिला, तीन दिन पहले निकला था घर से; परिजन बोले हत्या हुई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में तीन दिन से लापता एक व्यक्ति का शव धान के खेत में मिला है। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। यह घटना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के पिपरोहर गांव की है। जानकारी के अनुसार, पिपरोहर निवासी मधुसूदन सिंह चौहान 8 अक्टूबर की सुबह घर से निकले थे। इसके बाद से उनका कोई पता नहीं चल रहा था। परिवारजनों ने कई जगहों पर उनकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

शुक्रवार देर रात करीब 12 बजे ग्रामीणों ने धान के खेत में मधुसूदन सिंह का शव देखा। इसकी सूचना मिलते ही पूरे गांव में सनसनी फैल गई। सूचना पाकर सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल की घेराबंदी कर जांच शुरू की। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की गई और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।

शनिवार दोपहर करीब 1 बजे पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक के भाई आकाश सिंह ने आरोप लगाया है कि यह आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या का मामला है। उन्होंने कहा कि समय पर तलाश की जाती तो शायद मधुसूदन की जान बच सकती थी।

थाना प्रभारी कन्हैया सिंह बघेल ने बताया कि धान के खेत में शव मिलने की सूचना पर मर्ग कायम किया गया है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रारंभिक जांच में मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है और पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

12 अक्टूबर को रखरखाव कार्य के चलते विद्युत प्रदाय रहेगा बंद

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अधीक्षण अभियंता (सं.चा.-सं.धा.) म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं. लिमि. सीधी ने जानकारी देकर बताया है कि 12 अक्टूबर (रविवार) को प्रातः 11 बजे से सायं 05 बजे तक सीधी जिले के विभिन्न क्षेत्रों में विद्युत प्रदाय बंद रहेगा। यह अवरोध 220 के.वी. उच्च दाब विद्युत उपकेंद्र, सीधी में रखरखाव एवं तकनीकी उन्नयन कार्य के कारण रहेगा। इस दौरान 132 के.वी. बे में 132 के.वी. सिहावल उपकेंद्र के लिए अतिरिक्त 132 के.वी. लाइन को जोड़ा जाकर चार्ज किया जाएगा।

इस कार्य के पूर्ण हो जाने पर 132 के.वी. सिहावल उपकेंद्र में डबल सप्लाई की व्यवस्था हो जाएगी, जिससे अमिलिया एवं बहरी क्षेत्र में विद्युत प्रदाय की गुणवत्ता में सुधार होगा। भविष्य में यदि किसी कारण से 132 के.वी. लाइन का एक फीडर बंद होता है, तो दूसरे फीडर से विद्युत आपूर्ति निर्बाध रूप से जारी रखी जा सकेगी। साथ ही 132 के.वी. उपकेंद्र मड़वास के लिए भी डबल सप्लाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु 220 के.वी. सीधी उपकेंद्र के ''बे'' में आवश्यक तकनीकी कार्य किया जाएगा।

वाहन चेकिंग के दौरान तस्कर गिरफ्तार, 2 किलो गांजा जब्त; दो साल से पुलिस को दे रहा था चकमा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। दो साल से पुलिस को चकमा दे रहे एक गांजा तस्कर को पोड़ी पुलिस ने शनिवार दोपहर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से 2 किलो अवैध गांजा जब्त किया गया है। पुलिस ने उसे वाहन चेकिंग के दौरान पकड़ा और एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

यह कार्रवाई थाना प्रभारी अरुणा द्विवेदी के निर्देश पर पोड़ी चौकी प्रभारी डीके रावत ने की। पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम ददरी रोड से एक युवक बाइक पर गांजा लेकर पोड़ी की ओर बिक्री के लिए आने वाला है। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने पोड़ी पहाड़िया रोड के पास नाकेबंदी की। एक घंटे बाद मुखबिर द्वारा बताए गए हुलिए का युवक नीली टी-शर्ट और काली जींस में बाइक से आता दिखा।

पुलिस ने घेराबंदी कर उसे रोका। तलाशी लेने पर बाइक की डिग्गी के पास रखे पिट्ठू बैग से 2 किलो अवैध गांजा बरामद हुआ। आरोपी की पहचान अहिवरण सिंह (32 वर्ष), पिता बाबूलाल सिंह, निवासी मिठौली, थाना जैतपुर, जिला शहडोल के रूप में हुई। पुलिस ने मौके से जब्त गांजे की कीमत 25,000 रुपए, बाइक की कीमत 80,000 रुपए और एक मोबाइल की कीमत 7,000 रुपए बताई है।

अलग-अलग रास्ते से निकाल जाता: चौकी प्रभारी डीके रावत ने बताया कि आरोपी लंबे समय से अलग-अलग रास्तों और बाइक का उपयोग कर तस्करी करता था और हर बार पुलिस को चकमा देकर भाग निकलता था।

तेज रफ्तार बोलेरो ने बाइकसवार को मारी टक्कर, ग्रामीण बोले- आमने-सामने से हुई टक्कर; सड़क पर गिरा युवक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के मझौली जनपद क्षेत्र के ग्राम ताला में शनिवार शाम एक सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार बोलेरो वाहन ने ग्राम बंजारी निवासी आशीष यादव की बाइक को टक्कर मार दी, जिससे आशीष नाम का युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल सीधी रेफर किया गया है। यह घटना उस समय हुई जब आशीष यादव अपनी बाइक से किसी काम से गांव की ओर जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बोलेरो चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और सामने से आ रहे बाइक सवार को सीधी टक्कर मारकर मौके से फरार हो गया।

टक्कर इतनी भीषण थी कि आशीष यादव सड़क पर गिर पड़े और उन्हें गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें ऑटो से मझौली अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल सीधी रेफर कर दिया। बताया गया है कि घायल आशीष के दाहिने पैर में फ्रैक्चर है और सिर पर भी गहरी चोटें आई हैं।

घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल चौकी प्रभारी आर.पी. मांझी मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि घायल युवक की पहचान हो गई है और उसकी शिकायत के आधार पर अज्ञात बोलेरो वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है और फरार चालक की तलाश जारी है।

बत्रा ट्रांसपोर्ट पर जीएसटी छापा, तीन ट्रकों से माल उतरते समय कार्रवाई; जांच जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्य प्रदेश के सीधी शहर में शनिवार सुबह जीएसटी विभाग की टीम ने बत्रा ट्रांसपोर्ट कंपनी पर छापा मारा। सतना से आई तीन सदस्यीय टीम ने यह कार्रवाई उस वक्त की जब कंपनी के गोदाम में तीन ट्रकों से माल उतारा जा रहा था।

सूत्रों के अनुसार, जीएसटी विभाग लंबे समय से टैक्स चोरी के मामलों पर नजर रख रहा था। विभाग को सूचना मिली थी कि इस ट्रांसपोर्ट कंपनी के जरिए बड़े पैमाने पर टैक्स की चोरी की जा रही है। इसी जानकारी के आधार पर टीम ने सुबह अचानक कार्रवाई शुरू की।

छापेमारी शुरू होते ही ट्रांसपोर्ट कंपनी में हड़कंप मच गया। टीम ने गोदाम, ऑफिस और स्टॉक रूम में रखे

दस्तावेजों, बिल-वाउचर, कंप्यूटर डेटा और लेन-देन के रिकॉर्ड की गहन जांच शुरू की। यह जांच दोपहर करीब 12 बजे से लगातार जारी है।

अभी तक जीएसटी विभाग की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। विभागीय अधिकारी अभी भी कंपनी परिसर में मौजूद हैं। सूत्रों ने बताया कि टीम ने कंपनी के मालिक और कुछ कर्मचारियों से भी पूछताछ की है। विभाग ने अभी तक यह खुलासा नहीं किया है कि टीम में कौन-कौन अधिकारी शामिल हैं और जांच में क्या तथ्य सामने आए हैं।

जनपद मझौली में दिव्यांग बच्चों के लिए मेडिकल बोर्ड शिविर आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचित सोमवंशी के निर्देशन एवं ए.सी.ई.ओ. जिला पंचायत धनंजय मिश्रा के मार्गदर्शन में जिले के समस्त 0 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों में दिव्यांगता की त्वरित पहचान एवं प्रमाण पत्र जारी करने हेतु 22 सितम्बर से 14 नवम्बर 2025 तक जिलेभर में स्क्रीनिंग एवं मेडिकल बोर्ड शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में शनिवार को जनपद मझौली में मेडिकल बोर्ड शिविर आयोजित किया गया, जिसमें कुल 106 बच्चों का पंजीकरण किया गया तथा चिकित्सा परीक्षण के उपरांत 12 बच्चों को प्रमाणपत्र (यू.डी.आई.डी. कार्ड) जारी

किए गए। शिविर में मेडिकल बोर्ड के विशेषज्ञ चिकित्सक - डॉ. रवि पटेल (मानसिक रोग विशेषज्ञ), डॉ. हिमेश पाठक (नाक, कान एवं गला रोग विशेषज्ञ), डॉ. अविनाश जान धुर्वे (मेडिसिन विशेषज्ञ) एवं डॉ. के.बी. प्रजापति (ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ) द्वारा परीक्षण कार्य संपादित किया गया।

इसके अतिरिक्त जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र , सीधी की टीम - दीपक त्रिपाठी, नम्रता मिश्रा (ए.ओ.), एवं शिवांसु शुक्ला (ट्रांसडिसिप्लिनरी विशेष शिक्षक) द्वारा संभावित दिव्यांग बच्चों की स्क्रीनिंग एवं पहचान, आवश्यक दस्तावेजों का संकलन एवं सत्यापन, अभिभावकों को यू.डी.आई.डी. कार्ड प्रक्रिया की जानकारी प्रदान करना, बच्चों को मेडिकल बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत करना, तथा प्रमाण पत्र जारी होने के उपरांत यू.डी.आई.डी. पोर्टल पर डेटा प्रविष्टि एवं ट्रैकिंग का कार्य सुनिश्चित किया गया। यह अभियान सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार जिले के सभी विकासखंडों में चरणबद्ध रूप से संचालित किया जा रहा है, ताकि कोई भी योग्य दिव्यांग बच्चा शासन की सुविधाओं से वंचित न रहे।

सोन नदी में नहाते समय नाबालिग लापता

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। सोहागपुर थाना क्षेत्र में नवलपुर सोन नदी में पिकनिक मनाने के दौरान 14 वर्षीय नाबालिग अंश पनिका लापता हो गया है। यह घटना शनिवार दोपहर को हुई जब वह अपने दोस्तों के साथ नदी में नहाने गया था। लापता बालक का नाम अंश पनिका है, जो बुढार के वार्ड नंबर एक का निवासी है। उसके दोस्तों ने बताया कि वे नवलपुर सोन नदी में पिकनिक मना रहे थे और नहाते समय अंश अचानक नदी के तेज बहाव में बह गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने एसडीईआरएफ टीम को बुलाया। टीम लापता बालक की तलाश में जुटी हुई है।

जन्मजात विकृति, मुड़े हुए पैर के बच्चों का हुआ नि:शुल्क उपचार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जन्मजात विकृति (मुड़े हुए पैर) से ग्रसित बच्चों का नि:शुल्क उपचार जिले में किया जा रहा है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, सीधी के अंतर्गत अनुष्का फाउंडेशन के सहयोग से जिला चिकित्सालय सीधी में क्लबफुट (ब्सनइविवज) ग्रसित बच्चों का नियमित रूप से उपचार किया जा रहा है।

हर शुक्रवार को जिला अस्पताल में क्लबफुट क्लीनिक का आयोजन होता है, जहाँ बच्चों का परीक्षण एवं नि:शुल्क उपचार किया जाता है। क्लबफुट के इलाज में स्ट्रेचिंग, साप्ताहिक कास्टिंग, टेनोटोमी और ब्रेसिंग जैसी चिकित्सीय प्रक्रियाओं का उपयोग किया जाता है। पिछले एक वर्ष छह माह में अब तक लगभग 33 बच्चे इस कार्यक्रम से लाभान्वित हो चुके हैं। इनमें से 2 बच्चों की टेनोटोमी, 3 बच्चों की कास्टिंग, तथा 3 बच्चों को शूज प्रदान किए गए हैं।

चिकित्सक डॉ. अरविंद सोनी एवं डॉ. प्रजापति द्वारा बच्चों का उपचार किया गया तथा कास्टिंग और टेनोटोमी की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में अनुष्का फाउंडेशन द्वारा निरंतर नि:शुल्क सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

क्लबफुट एक जन्मजात विकृति है, जिसमें बच्चे का पैर जन्म से ही मुड़ा हुआ होता है। सही समय पर उपचार किए जाने से बच्चे सामान्य जीवन जी सकते हैं और सामान्य गतिविधियाँ कर सकते हैं।

कलेक्टर ने गर्ल्स हॉस्टल की खराब व्यवस्था पर एक्शन लिया, दो अधीक्षकों को नोटिस जारी कर 3 दिनों में जबाब मांगा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के कचनी स्थित अनुसूचित जाति जनजाति जूनियर और सीनियर छात्रावासों में खराब व्यवस्था की शिकायतों पर कलेक्टर गौरव बेनल ने तत्काल कार्रवाई की है। उन्होंने छात्रावास अधीक्षिकाओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया और एसी ट्राइबल को जांच के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने बताया कि छात्रावास में रहने वाली बालिकाओं ने उनसे शिकायत की थी कि छात्रावास की स्थिति बेहद खराब है। उन्हें खाने में खराब भोजन दिया जाता है, बिजली की समस्या है, और शौचालय व बाथरूम में साफ-सफाई नहीं रहती, जिससे काफी परेशानी होती है। छात्राओं ने कर्मचारियों के खराब व्यवहार की भी शिकायत की।

कलेक्टर ने तीन दिन के भीतर जवाब मांगा: इन शिकायतों के आधार पर, कलेक्टर ने छात्रावास अधीक्षिका संध्या मिश्रा और बालक छात्रावास के अधीक्षक रामानुज साकेत को नोटिस जारी कर तीन दिन के भीतर जवाब मांगा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संतोषजनक जवाब न मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त, कलेक्टर ने एसी ट्राइबल को निर्देश दिए हैं कि वे केवल इन्हीं दो छात्रावासों की नहीं, बल्कि जिले भर के सभी छात्रावासों की तुरंत निगरानी करें। उन्हें सात दिन के भीतर सभी छात्रावासों की स्थिति से अवगत कराने को कहा गया है। कलेक्टर गौरव बेनल ने जोर देकर कहा कि प्रशासन किसी भी कीमत पर इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगा और छात्रों को बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी।

भाजपा की खिचड़ी में मिर्चें

संपादकीय

भाजपा की खिचड़ी में मिर्चें इतनी हो गई कि अब नमक को हलाल करना मुश्किल हो रहा है। एक बड़े बयान की मधानी ने सारा परिदृश्य बिलोल के रख दिया, तो बात 2017 के बाद 2022 के चुनाव तक की हैसियत और हसरत तक पहुंच गई। हर चुनाव के नायक को सब कुछ मिल जाए, यह भी संभव नहीं और अगर उस राजनीतिक आपदा में सुजानपुर किले की दीवार न गिरी होती, तो आज की भाजपा कहीं और खड़ी होती। अब पार्टी के प्रभारी श्रीकांत शर्मा जी चाहे एकजुटता की कार्यशाला में सार्वजनिक मंचों की बयानबाजी को खारिज करें या हिदायत दें, लेकिन भाजपा के भीतरी विभाजन स्पष्ट हैं। पूर्व मंत्री रमेश धवाला की बयानबाजियों पर अगर पार्टी कारण बताओ नोटिस चस्पां करती है, तो यह कांगड़ा की बेचारगी है क्योंकि पिछली तमाम सत्ताओं के बीच डूबे तो यहीं के नेता। इसी भंवर से निकले रमेश धवाला अगर जवाब में सत्य उगल रहे हैं, तो क्या प्रदेशाध्यक्ष इस खाई से पार्टी से ठुकराए गए नेताओं को बचाकर बाहर निकालेंगे। ऐसा भी नहीं है कि जो भाजपा कर रही या करती रही, उससे कहीं उलट कांग्रेस में कोई अंतर है। जनता जानती है कि कांग्रेस में कौन पीछे धकेले गए या भाजपा के भीतर कितने ताज लड़ रहे हैं। कांग्रेस के अध्यायों में वीरभद्र सिंह बनाम आलाकमान भी होता रहा है, नतीजतन पार्टी की लोरियां उनके देहावसान के बाद बदल गई। यह नई कांग्रेस की पड़ताल जो सत्ता के तीन सालों बाद भी अपना नया प्रदेशाध्यक्ष नहीं खोज पा रही। भाजपा में आलाकमान इतनी शक्तिशाली है कि यहां मुकाबला पार्टी और संघ परिवार के बीच समीकरणों का रहा और रहेगा। यहां बयान भी सहमत हैं और बचाव भी सहमत है। इस घर के भीतर घरवाले और मेहमान भी परेशान हैं। विद्यार्थी परिषद के बागीचे में जितने गुल खिलते रहे, उतने ही सत्ता के पुष्पहार पसंदीदा नेताओं के गले में पड़ते रहे हैं। ऐसे में जिस प्रदेश से भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष लंबी पारी खेल रहा हो, वहां आक्रोश और आक्रोश का समाधान, अपनी अनुमतियों की रंगत के बिना तो नहीं ठहर सकता।

भाजपा के शिखर और ताज के लिए अभी मैदान खुला है, लेकिन विडंबना यह कि हिमाचल के राजनीतिक फैसले केवल मंडी और हमीरपुर संसदीय क्षेत्रों में ही होने लगे। यह दीगर है कि कांग्रेस सरकार में सबसे अहम व अधिक मंत्री शिमला संसदीय क्षेत्र से ही बनाए गए और घोषित तौर पर पार्टी अध्यक्ष का पद प्रतिभा सिंह के बाद इसी भूखंड के किसी विधायक या मंत्री को देने की सहमति बन रही है। हिमाचल में इस तरह कांगड़ा संसदीय क्षेत्र का राजनीतिक पिछड़ापन समझा जा सकता है। इसके कई कारण हैं और यह भाजपा-कांग्रेस में एक समान दिखाई दे रहे हैं।

छिलकों की छाबड़ी दूरदृष्टि वाले नेता

गुरमीत बेदी

नेताजी दूरदर्शी हैं। इतनी दूर की सोचते हैं कि कई बार जनता को लगता है, नेताजी भविष्य नहीं, परलोक की योजना बना रहे हैं। राजनीति के हर मोड़ पर उन्होंने एक ही मंत्र अपनाया है- 'दूर की सोचो, पास वालों से सावधान रहो।' यही कारण है कि आज वे न केवल अपने दल के भरोसेमंद सदस्य हैं, बल्कि विपक्ष के भी सम्मानित 'व्हाट्सएप ग्रुप' के सदस्य हैं। नेताजी कहते हैं- 'राजनीति एक नदी है, जिसमें तैरना भी है और बहना भी।' और नेताजी ने दोनों कलाएं साध ली हैं। जब सत्ता की लहर तेज हो तो तैरते हैं, और जब विरोध का ज्वार उठे तो बह जाते हैं। जनता समझती है कि नेताजी संघर्ष कर रहे हैं, जबकि असल में नेताजी बस धारा का रुख देखकर दिशा बदल रहे होते हैं। उनकी दूरदर्शिता का एक और नमूना है कि वे हर दल की विचारधारा से थोड़ा-थोड़ा सहमत रहते हैं। इससे उन्हें किसी भी दल में फिट होने में दिक्कत नहीं होती। वे कांग्रेस से लोकतंत्र का पाठ पढ़ते हैं, भाजपा से राष्ट्रवाद का, आम आदमी पार्टी से सादगी का, और क्षेत्रीय दलों से 'विकास' के वादे का। कुछ नतीजा निकले या न निकले, नेताजी हर जगह अपने को 'योग्य प्रत्याशी' घोषित करते रहते हैं। पार्टी मीटिंग में नेताजी सबसे आगे बैठते हैं, लेकिन कैमरा देखते ही पीछे खिसक जाते हैं। वजह यह कि अगर भविष्य में दल बदलना पड़े तो पुरानी तस्वीरें नई पार्टी के लिए सबूत न बन जाएं। नेताजी की पत्नी कहती हैं कि वे इतने सतर्क हैं कि शादी के फोटो में भी दूरी बना कर खड़े रहते हैं, कहीं भविष्य में तलाक हो जाए तो 'प्रॉक्सिमिटी क्लिप' काम न आ जाए। एक बार किसी पत्रकार ने उनसे पूछा- 'नेताजी, आप किस विचारधारा को मानते हैं?' नेताजी मुस्कुराए, 'विचार तो वही ठीक है जो चुनाव जिताए।

हारने वाले विचार से बड़ा कोई बोझ नहीं।' पत्रकार हतप्रभ रह गया, पर नेताजी के समर्थकों ने इस बयान को 'राजनीतिक दर्शन' कहकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। नेताजी को भविष्य की राजनीति का पूरा खाका पता है। वे कहते हैं कि आने वाले समय में दल नहीं, 'डेटा' चलेंगे। चुनाव टिकट नहीं, बल्कि ट्रेंड से मिलेंगे। इसलिए उन्होंने अभी से अपने फेसबुक पर हर दल के पेज को 'लाइक' कर रखा है। उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता कि पोस्ट मोदीजी की है या राहुलजी की, वे हर पोस्ट पर एक ही कमेंट करते हैं- 'अद्भुत विचार! देश को ऐसे ही नेताओं की जरूरत है।' यही वजह है कि नेताजी हर जगह स्वीकार्य हैं, बस जनता को छोड़कर। नेताजी के अनुसार राजनीति में टिके रहने के लिए तीन गुण जरूरी हैं- समझौता, मुस्कान और मोबाइल। समझौता इसलिए कि कब कौन दोस्त बन जाए, कब कौन दुश्मन, इसका कोई भरोसा नहीं। मुस्कान इसलिए कि हर झूठ सच्चाई जैसा लगे। और मोबाइल इसलिए कि किस वक्त किस ग्रुप में होना है, यही राजनीति का असली मंत्र है। कई बार उनके विरोधी कहते हैं कि नेताजी अवसरवादी हैं। नेताजी हंसते हैं- 'भैया, अवसर को पहचान लेना ही तो दूरदर्शिता है। जो वक्त देखकर चलना जानता है, वही आगे बढ़ता है।' उन्हें लगता है कि जो नेता एक ही पार्टी में टिके रहते हैं, वे या तो बहुत ईमानदार हैं या बहुत मूर्ख। और ईमानदारी आजकल वोटों में नहीं बदलती। उनकी दूरदर्शिता की एक और मिसाल है, वे हर चुनाव से छह महीने पहले अपनी 'बीमारी' की अफवाह उड़ा देते हैं। फिर अचानक ठीक होकर नए दल में शामिल हो जाते हैं। जनता सोचती है- 'देखो, नेताजी की वापसी कितनी जोश से हुई है!' असल में नेताजी को यह भी डर रहता है कि अगर किसी कारण से टिकट न मिले तो बीमारी बहाना बन जाए। उनके घर की दीवार पर एक बड़ा कैलेंडर टंगा है- 'चुनाव विशेष कैलेंडर।' हर महीने के साथ लिखा है- 'इस माह किस पार्टी से बात करनी है।' 'किस दल के नेता की सालगिरह पर बधाई भेजनी है।' 'किसे 'सर' और किसे 'भाई' कहना है।' यह सब देखकर लगता है कि नेताजी ने राजनीति को विज्ञान नहीं, बल्कि प्रबंधन का विषय बना दिया है।

जीविका स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 1.21 करोड़ महिलाओं को मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 10-10 हजार रुपए मिल जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा है कि यह बिहार की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। जानकारों का मानना है कि यह योजना भारत के विभिन्न राज्यों में महिलाओं के लिए चल रही योजनाओं की ही तरह है और इसका गहरा असर चुनाव में दिखाई पड़ेगा।

बिहार में चुनाव, कौन बनेगा मुयमंत्री?

मधुरेंद्र सिन्हा

बिहार भारत के सबसे गरीब राज्यों में शामिल है और इस तरह की कोई भी आर्थिक योजना जो तत्काल राहत देती है, लोकप्रिय हो जाएगी। बिहार के लोग करोड़ों की संख्या में पलायन तो कर गए, लेकिन आज भी वह अपनी जड़ों से जुड़े हुए हैं। वे चाहते हैं कि राज्य का विकास हो और नई पीढ़ी को पलायन की त्रासदी न झेलनी पड़े। इसका सीधा हल विकास तथा रोजगार है। जात और जमात की राजनीति इसमें सबसे बड़ा रोड़ा है...

चुनाव आयोग ने बिहार में दो चरणों में मतदान कराने की घोषणा कर दी है। 6 और 11 नवंबर को वोट डाले जाएंगे तथा परिणाम 14 नवंबर को आएंगे। पक्ष और विपक्ष दोनों कमर कस चुके हैं। दोनों गठबंधन में टिकट के बंटवारे का मामला अभी सुलझा नहीं है लेकिन दोनों ही ताल ठोंक रहे हैं। नीतीश कुमार जो राजद को हराकर मुख्यमंत्री बने, एक बार फिर युद्ध के मैदान में हैं। एनडीए गठबंधन ने उन्हें ही अपना मुख्यमंत्री फेस चुना है, जबकि महागठबंधन में उहापेह है और कांग्रेस ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं। लेकिन तेजस्वी यादव ने स्पष्ट कर दिया है कि बिहार में महागठबंधन का चेहरा सिर्फ वही हैं। इसके पहले राहुल गांधी ने बिहार के दौरे में कहा था कि इस बारे में अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। लेकिन तेजस्वी यादव को यह बात मंजूर नहीं थी और उन्होंने तुरंत ही अपने नाम की घोषणा कर दी। एक ओर जहां एनडीए गठबंधन में तारतम्य दिखता है, महागठबंधन में ऐसा कुछ नहीं है। राहुल गांधी ने अपने बिहार दौरे में कांग्रेसियों को अति उत्साहित कर दिया और उन्हें आगे बढ़ा दिया है, लेकिन सारा खेल लालू यादव पर निर्भर है और वह जाहिर है कि कांग्रेस को ज्यादा तरजीह नहीं देंगे। इस बार उसे सीटें भी कम देंगे। राहुल गांधी का दौरा हमेशा की तरह आरोप-प्रत्यारोप का रहा और उन्होंने चुनाव आयोग पर तमाम तरह के हमले किए और वोट चोरी का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने वोट चोरी में साथ दिया है। हालांकि उन्होंने जितने प्रमाण दिए, वे सभी खोखले थे और उनमें कोई दम नहीं था। बिहार में मतदाता सूची पुनर्रीक्षण (एसआईआर) की उन्होंने जमकर आलोचना की और उनके दो वकील सुप्रीम कोर्ट जा पहुंचे। इतना ही नहीं तथाकथित चुनाव विशेषज्ञ योगेन्द्र यादव भी अपनी विद्वता झाड़ते हुए कोर्ट में पेश हो गए, लेकिन इनमें से कोई भी वोट चोरी या सूची में गड़बड़ी की बात साबित नहीं कर सका। महज शोर मचाने और पब्लिसिटी करने के अलावा उन लोगों ने कुछ भी नहीं किया। यहां पर एक बात ध्यान देने की है कि मतदाता सूची बनाने वाले कर्मी राज्य सरकारों के ही कर्मी होते हैं। बीएलओ और एसडीएम, ये सभी राज्य सरकार के कर्मी ही होते हैं, ऐसे में मतदाता सूची में हेराफेरी का आरोप हास्यास्पद है। यह बात अखिलेश यादव ने भी कही थी कि मतदाता सूची में गड़बड़ी के लिए बीएलओ और एसडीएम को जिम्मेदार ठहराया जाए। लेकिन राहुल तो राहुल हैं, राजकुमार हैं। उन्होंने जो कह दिया वह कह दिया। एटम बम के नाम पर सुतली बम भी फोड़ दिया। इन सबका जनता पर कोई असर होता नहीं दिखा। वह पहले की तरह उदासीन रही। हां, बांग्लादेश से आकर बिहार में बस गए बांग्लादेशियों में खलबली जरूर मच गई। सुप्रीम कोर्ट ने आधार को मतदाता सूची के शामिल होने वाले महत्वपूर्ण दस्तावेज में आधार को भी शामिल कराके उनकी चिंता काफी हद तक दूर कर दी। इसके बाद चुनाव आयोग ने सूची तैयार कर दी है जिस पर महागठबंधन ने कोई खास आपत्ति नहीं जताई है लेकिन कुछ बातें जरूर कही हैं। अगर वे चुनाव हार गए तो फिर यह मुद्दा जोर-शोर से उठाएंगे।

बहरहाल बिहार में काफी सरगर्मी दिखती है। लेकिन यह ऊपर ही ऊपर है। यानी मीडिया भर तक ही सीमित है। लोग अपनी फसलों को लेकर चिंतित हैं। कई इलाकों में भरपूर बारिश न होने के कारण धान की बुआई नहीं हो पाई है, वहां के लोग निराश हैं। बाकी शहरों और कस्बों में राहुल गांधी के भाषणों के बारे में कोई चर्चा नहीं है। यहां वोट चोरी बहुत मामूली बात होती थी और बूथ लूटने का भी कल्चर था। कई जगहों में गरीबों तथा दलितों को वोट देने से रोक भी लिया जाता था। लेकिन अब इंटरनेट और सीसीटीवी कैमरों के कारण हालात बहुत बदल गए हैं। आम बिहारी बहुत ही जागरूक, सजग और समझदारी वाली बातें करने वाला होता है। भारत के किसी भी राज्य में राजनीतिक रूप से इतने जागरूक लोग नहीं मिल सकते। उन्हें हर चीज का ज्ञान है और इन्सायक्लोपीडिया की तरह वे अतीत की तमाम बातें बता सकते हैं। उनमें तर्क करने की अद्भुत क्षमता है जो आप यूट्यूब या टीवी चैनलों पर साफ देखते होंगे। ऐसे में उसे बातों में फंसाना मुश्किल है। राहुल गांधी को यह बात मालूम नहीं थी, इसलिए वह कुछ भी आरोप लगाते रहे। राहुल गांधी यह भी भूल गए कि बिहार में 15 वर्षों के शासन में आरजेडी ने कैसे जंगल राज बना दिया। उनकी ही पार्टी के नेता गाल फाड़-फाडकर चिल्लाते रह गए, लेकिन आलाकमान ने कुछ नहीं सुना। नीतीश कुमार अनुभवी राजनीतिज्ञ हैं और उनके पास राजनीतिक चालें हैं। उससे भी बड़ी बात यह है कि वह एनडीए का हिस्सा है जिसका नेतृत्व नरेन्द्र मोदी के पास है। पीएम मोदी हाल में पांच बार बिहार का दौरा कर चुके हैं और उन्होंने दर्जनों तरह की सौगात जनता को दी है। जनता उनसे खुश है क्योंकि वहां नई रेलगाडियों से लेकर कई तरह की और सुविधाएं दी गई हैं। उधर नीतीश कुमार महिलाओं के लिए 10000 रुपए की राशि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत दे रहे हैं। जीविका स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 1.21 करोड़ महिलाओं को मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 10-10 हजार रुपए मिल जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा है कि यह बिहार की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। जानकारों का मानना है कि यह योजना भारत के विभिन्न राज्यों में महिलाओं के लिए चल रही योजनाओं की ही तरह है और इसका गहरा असर चुनाव में दिखाई पड़ेगा। बिहार भारत के सबसे गरीब राज्यों में शामिल है और इस तरह की कोई भी आर्थिक योजना जो तत्काल राहत देती है, लोकप्रिय हो जाएगी। बिहार के लोग करोड़ों की संख्या में पलायन तो कर गए, लेकिन आज भी वह अपनी जड़ों से जुड़े हुए हैं। वे चाहते हैं कि राज्य का विकास हो और नई पीढ़ी को पलायन की त्रासदी न झेलनी पड़े। इसका सीधा हल विकास तथा रोजगार है। जात और जमात की राजनीति इसमें सबसे बड़ा रोड़ा है। जो पार्टियां इस तरह की राजनीति करेंगी, वे इस चुनाव में उसका परिणाम झेल लेंगी। हर बिहारी चाहता है कि उसका राज्य सशक्त और संपन्न हो। ऐसे में इसका असर चुनाव पर पड़ेगा ही। देखते हैं कि जनता कौनसे गठबंधन को चुनती है।

आत्मनिर्भरता की आत्मघाती बाधा, खाद्य पदार्थों के साथ दवाओं की गुणवत्ता भी सही नहीं

हैरानी नहीं कि बहुत कम भारतीय उत्पाद ऐसे हैं जो अपनी गुणवत्ता के लिए जाने जाते हैं। चूंकि हमारे उत्पाद विश्वस्तरीय नहीं बन पा रहे हैं इसलिए वे विश्व बाजार में अपनी छाप भी नहीं छोड़ पा रहे हैं। इसी कारण हम आत्मनिर्भर बनने के अपने सपने को साकार नहीं कर पा रहे हैं।

राजीव सचान।

इन दिनों विषाक्त कफ सीरप से मध्य प्रदेश और राजस्थान में एक दर्जन से अधिक बच्चों की मौत का मामला चर्चा में है। हर तरफ आक्रोश है और उसके चलते जांच एवं कार्रवाई की बातें हो रही हैं। क्या यह पहली बार हो रहा है? नहीं। 1986 में मुंबई में विषाक्त कफ सीरप से 14 बच्चों की जान गई थी और दिल्ली में 33 बच्चों की। इसके बाद 2020 में जम्मू में 12 बच्चों की मौत हुई। हर बार सब कुछ ठीक करने की बातें की गई, लेकिन स्थितियां नहीं बदलीं। 2022 में भारतीय दवा कंपनियों की ओर से बनाई गई कफ सीरप से गांबिया और फिर उज्बेकिस्तान में कई बच्चों की मौत हुई। इन मौतों का संज्ञान विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी लिया।

इन मामलों के कारण भारत की दवा कंपनियों की बदनामी भी हुई। माना जा रहा था कि इस बदनामी के कारण विषाक्त कफ सीरप बनाने वाली कंपनियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी और दवाओं की गुणवत्ता का परीक्षण करने वाली सरकारी एजेंसियां अपना काम सही तरह से करेंगी, पर नतीजा ढाक के तीन पात वाला रहा।

गांबिया और उज्बेकिस्तान को कफ सीरप सप्लाई करने वाली दवा कंपनियों के खिलाफ फौरी कार्रवाई तो हुई, पर ऐसी ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जो नजीर बनती और विषाक्त कफ सीरप बनने का सिलसिला थमता। ऐसा ही राजस्थान और मध्य प्रदेश में कोल्ड्रिफ कफ सीरप सप्लाई करने वाली दवा कंपनी के साथ हो तो हैरानी नहीं, क्योंकि इस सीरप में विषाक्त रसायन के प्रयोग को लेकर विरोधाभासी खबरें आ रही हैं। दवाओं के निर्माण की प्रक्रिया और उनकी गुणवत्ता की परख करने वाली सरकारी एजेंसियां और सरकारें कुछ भी दावा करें, यह काम सही तरह नहीं होता और इसका प्रमाण यह है कि आए दिन दवाओं के सैंपल फेल होने की खबरें आती हैं। पिछले महीने खबर आई थी कि केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन और राज्य दवा नियामकों की जांच में हिमाचल प्रदेश की दवा कंपनियों की 94 दवाओं के सैंपल फेल हुए। जांच में तीन दवाएं नकली भी निकलीं।

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन हर माह ड्रग अलर्ट जारी करता है। अगस्त के ड्रग अलर्ट के अनुसार हिमाचल की 31 दवा कंपनियों की 38 दवाएं गुणवत्ता के पैमाने पर खरी नहीं उतरीं। इसी ड्रग अलर्ट के अनुसार उत्तराखंड, पंजाब और मध्य प्रदेश की दवा कंपनियों में बनीं 56 दवाओं के सैंपल भी फेल हुए। जुलाई के ड्रग अलर्ट के अनुसार कुल 143 दवा नमूने फेल पाए गए। जून के ड्रग अलर्ट में कुल 188 दवाओं के सैंपल फेल हुए। इनमें हिमाचल, गोवा और महाराष्ट्र की दवा कंपनियों की दवाएं थीं।

इस पर संतोष नहीं जताया जा सकता कि ये सैंपल बैच विशेष के होते हैं और उन्हें हटाने को कहा जाता है, क्योंकि इसकी गारंटी नहीं कि दोयम दर्जे की दवाओं को हटाने के निर्देश जारी करने के पहले वे मरीजों तक नहीं पहुंच जाती होंगी। चूंकि हिमाचल फार्मा कंपनियों का गढ़ है, इसलिए दवाओं के फेल सैंपल के मामले में यहां की कंपनियों का नाम खूब आता है, पर सच यह है कि शेष देश की दवा कंपनियों के सैंपल भी फेल होने का सिलसिला कायम है। भारत ने जेनेरिक दवाओं के निर्माण में अपनी पहचान बना ली है, लेकिन यदि दोयम दर्जे की दवाएं बनती रहीं तो यह पहचान खतरे में पड़ सकती है।

क्या हम केवल दवाओं की गुणवत्ता ही बनाए रख पाने में नाकाम हैं? नहीं। दवाओं के साथ-साथ खाद्य सामग्री और पेय पदार्थों की गुणवत्ता के मामले में भी हमारी स्थिति दयनीय है। डिब्बाबंद खाद्य एवं पेय पदार्थों की गुणवत्ता भी संदेह के घेरे में रहती है। उनके निर्माण में मानकों का उल्लंघन होता ही रहता है। कई बार तो उनमें विषाक्त अखाद्य वस्तुओं की भी मिलावट की जाती है, लेकिन मुश्किल से ही कोई मिलावटखोर दंडित होता है।

जिस तरह दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने वाली सरकारी एजेंसियां और ड्रग इंस्पेक्टर अपना काम ले-देकर करते हैं, उसी तरह खाद्य एवं पेय पदार्थों की गुणवत्ता की परख करने वाली सरकारी एजेंसियां और फूड इंस्पेक्टर भी। सरकारी तंत्र में व्याप्त इस भ्रष्टाचार का ही यह नतीजा है कि भारत में न तो दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित है और न ही खाद्य एवं पेय पदार्थों की। दूध, खोया, मिठाई, मसालों आदि में तो मिलावट की आशंका बनी ही रहती है और अक्सर यह सही पाई जाती है।

दवाएं हों या खाद्य एवं पेय पदार्थ या फिर अखाद्य वस्तुएं, अपने देश में सबके निर्माण के लिए मानक बने हुए हैं और सबकी गुणवत्ता परीक्षण के नियम-कानून हैं, लेकिन उनका सही तरह पालन नहीं होता। जहां निर्माण, वहां भ्रष्टाचार होना एक अलिखित नियम सा बन गया है। इसी तरह जहां कहीं भी सरकारी अनुमति, संस्तुति, परीक्षण आदि की आवश्यकता होती है, वहां भी मानकों की अनदेखी के साथ नियम-कानूनों का उल्लंघन होता है।

हैरानी नहीं कि बहुत कम भारतीय उत्पाद ऐसे हैं, जो अपनी गुणवत्ता के लिए जाने जाते हैं। चूंकि हमारे उत्पाद विश्वस्तरीय नहीं बन पा रहे हैं, इसलिए वे विश्व बाजार में अपनी छाप भी नहीं छोड़ पा रहे हैं। इसी कारण हम आत्मनिर्भर बनने के अपने सपने को साकार नहीं कर पा रहे हैं। स्वदेशी के सहारे स्वावलंबी बनने की यात्रा तब पूरी होगी, जब हमारे हर तरह के उत्पाद भरोसेमंद होंगे। अच्छा हो कि हमारे नीति-नियंता यह समझें कि भ्रष्टाचार पर लगाम लगने का थोथा दावा आत्मनिर्भरता की राह की आत्मघाती बाधा है।

पीएम जनमन ने दिलाई पहाड़ी कोरवाओं को शासकीय योजनाओं के लाभ

हेठसेमर के पहाड़ी कोरवाओं को मिली विकास के रास्ते की सौगात

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहलाने वाले विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय में आने वाले पहाड़ी कोरवा अपनी विलक्षण संस्कृति और सरल स्वाभाव के लिए प्रसिद्ध हैं। इस जनजाति के लोग पहाड़ी क्षेत्रों में ऊंचे पहाड़ों पर दूर-दूर अपने घर बनाकर निवास करते हैं, परन्तु समय के साथ यह विशेषता ही उनके लिए चुनौतियां लेकर आई हैं। दुर्गम ऊंचे पहाड़ों में निवास करने के कारण शासकीय योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचाना कष्टकर हो रहा था। पहाड़ी कोरवाओं को शासकीय जनहितकारी योजनाओं का लाभ मिले इस हेतु प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना लायी गई थी, पर विस्तृत भू-भाग में पहाड़ी क्षेत्रों में सीमित जनसंख्या स्तर के कारण वे इसके लाभ से वंचित थे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के द्वारा सभी तक शासन की पहुंच सुनिश्चित करने एवं सभी के समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए विशेष रूप से प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जनमन) विशेष पिछड़ी जनजातियों के क्षेत्रों के विकास के लिए लायी गई। इसके मापदण्डों में परिवर्तन कर सौ लोगों की जनसंख्या होने पर भी उन्हें मुख्य मार्ग से जोड़ने का कार्य किया गया। जिसके तहत जशपुर जिले के बगीचा विकासखण्ड के पहाड़ी कोरवा ग्राम हेठसेमर को सन्ना-रौनी मुख्य मार्ग से जोड़ा गया। जिसमें 3.67 करोड़ रुपए की लागत से पांच किमी लंबी सड़क का निर्माण किया गया। इस रास्ते में दुर्गम पहाड़ और उथले पाट भी शामिल थे, इन सभी समस्याओं का समाधान निकालते हुए रोड़ का निर्माण कार्य पूरा किया गया। सड़क निर्माण होने से हेठसेमर में बसे पहाड़ी कोरवा जनजातियों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के नए द्वार खुल गए हैं। सड़क बनने से पहले बारिश के मौसम में कच्ची पगडंडी, दुर्गम पहाड़ी, जहरीले जानवरों की उपस्थिति और छोटे छोटे नालों से हेठसेमर तक पहुँचना दूभर हो जाता था, बारहमासी सड़क के बन जाने से अब बच्चों एवं ग्रामीणों को शिक्षा तथा स्वास्थ्य सुविधाओं के लिये सुलभ आवागमन प्राप्त हो रहा है। उत्पादक किसानों को कृषि उपज एवं अन्य दैनिक वस्तुओं के लिए सोचना नहीं पड़ता। जिससे शासन की योजनाओं का लाभ भी ग्रामीण अब बढ़ चढ़ कर ले रहे हैं। जिससे रोजगार के भी नए रास्ते खुल गए है। सड़क के बन जाने से सामाजिक उन्नति भी हुई है, शादी-विवाह, धार्मिक कार्यक्रम एवं मेला-मंडई जैसे आयोजनों में लोगों का आवागमन बढ़ने से सामाजिक संपर्क को भी प्रोत्साहन मिला है। इसके साथ ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधा हेतु आपातकालीन चिकित्सा वाहन की सुगम-सुविधा प्राप्त हो रही है, जिससे सर्पदंश, आकस्मिक दुर्घटना, मातृत्व स्वास्थ्य जैसी दशाओं में तुरन्त स्वास्थ्य सुविधाएं उनके दरवाजे पर ही उपलब्ध हो रही है।

बाल शिक्षा की नई राह, आंगनबाड़ी केन्द्र कुंदला में खिल रही नन्हीं प्रतिभाएँ

रायपुर, छत्तीसगढ़ के सुदूर वनांचल क्षेत्र नारायणपुर जिले के ग्राम कुंदला स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र आज बाल शिक्षा और सर्वांगीण विकास की नई मिसाल बन गया है। यहाँ नन्हें बच्चों की हँसी और सीखने की लय ने पूरे गाँव के माहौल को जीवंत कर दिया है।

हर सुबह जब सूरज की किरणें गाँव की गलियों में उतरती हैं, तो आंगनबाड़ी केन्द्र के द्वार पर बच्चों के कदमों की आहट सुनाई देती है। पाँच वर्ष की मनीषा कुमेटी और अंकुश पोयाम जैसे बच्चे स्लेट-चॉक लेकर उत्साह से केन्द्र पहुँचते हैं। यहाँ कार्यकर्ता उन्हें खेल-खेल में अक्षर, गिनती और रंगों की पहचान सिखाते हैं। ÷एक, दो, तीन÷ की गूंज और बच्चों की हँसी से पूरा केन्द्र आनंदित रहता है।

यह केन्द्र केवल शिक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, सहयोग, सम्मान और आत्मविश्वास जैसी मानवीय मूल्यों का पाठ भी पढ़ा रहा है। पहले जहाँ बच्चे विद्यालय आने से झिझकते थे, अब वे स्वयं उत्साह से भाग लेते हैं। माता-पिता भी बच्चों की प्रगति पर गर्व महसूस कर रहे हैं।

आंगनबाड़ी केन्द्र कुंदला में हो रहे नवाचारों ने यह सिद्ध कर दिया है कि प्रारंभिक बाल शिक्षा की सशक्त नींव गाँवों से ही रखी जा सकती है। यह केन्द्र बाल शिक्षा, पोषण और सामाजिक विकास का प्रेरक उदाहरण बनकर उभरा है।

पोषण बन रही गर्भवती माताओं के लिए वरदान पुष्पा ने दिया स्वस्थ बेटी को जन्म

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राष्ट्रीय पोषण माह 2025 के दौरान छत्तीसगढ़ में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों से माताओं और बच्चों के स्वास्थ्य में अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। दुर्ग जिले के ग्राम भानपुरी की पुष्पा ठाकुर की कहानी इसका सुंदर उदाहरण है।

पुष्पा की यह पहली गर्भावस्था थी। शुरुआत में उन्हें उल्टी, कमजोरी और भूख न लगने जैसी समस्याएं थीं। जानकारी की कमी के कारण वह सही खानपान नहीं ले पा रही थीं। इस दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक श्रीमती सोनल सोनी और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती शशि देवांगन ने उनके घर जाकर नियमित रूप से सलाह दी और परिवार को भी गर्भवती महिला की देखभाल के बारे में समझाया।

'पोषण खजाना' के तहत मिलने वाले पौष्टिक आहार, रेडी-टू-ईट फूड, हरी सब्जियाँ, दालें, दूध और फल के साथ आयरन व कैल्शियम की गोलियों के नियमित सेवन से पुष्पा का स्वास्थ्य धीरे-धीरे सुधर गया। पहले उनका वजन 40 किलोग्राम और हीमोग्लोबिन 9 ग्राम था, जो गर्भावस्था के अंत तक बढ़कर वनज 52 किलोग्राम और हीमोग्लोबिन 10.9 ग्राम तक पहुंच गया। नियमित जांच और आंगनबाड़ी दीदी की देखभाल से पुष्पा को गर्भावस्था में कोई परेशानी नहीं हुई। 27 सितंबर 2025 को राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान ही उन्होंने शासकीय अस्पताल दुर्ग में 2.700 किलोग्राम वजनी स्वस्थ बेटी को जन्म दिया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि मां और शिशु का स्वास्थ्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पोषण के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ निरंतर प्रगति कर रहा है। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि पोषण खजाना जैसी योजनाएं ग्रामीण माताओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। हमारा लक्ष्य है कि हर गर्भवती और धात्री महिला को पर्याप्त पोषण मिले।

बटरफ्लाई एवं मोथ सर्वे 2025 का आयोजन 6 से 8 नवम्बर तक

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रकृति और जैव विविधता संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए बटरफ्लाई एवं मोथ सर्वे 2025 का आयोजन बारनवापारा वन्यजीव अभ्यारण्य किया जाएगा। यह आयोजन 6 से 8 नवम्बर तक होगा, इस तीन दिवसीय सर्वेक्षण का उद्देश्य तितलियों और पतंगों की प्रजातियों की पहचान, उनके प्राकृतिक आवास का अध्ययन तथा आम नागरिकों में जैव विविधता संरक्षण की भावना को बढ़ावा देना है।

वनमण्डलाधिकारी बलौदाबाजार श्री धम्मशील गणवीर ने बताया कि वन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार यह सर्वेक्षण न केवल जैव विविधता के संरक्षण में मदद करेगा, बल्कि पर्यावरण शिक्षा और जागरूकता बढ़ाने की दिशा में भी एक सार्थक प्रयास है। उन्होंने कहा कि बारनवापारा अभ्यारण्य की प्राकृतिक सुंदरता के बीच यह आयोजन प्रतिभागियों को प्रकृति से जोड़ने का अनूठा अनुभव देगा।

उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन पर्यावरण जागरूकता एवं प्रकृति संरक्षण गतिविधियों के अंतर्गत किया जा रहा है। यह आयोजन विद्यार्थियों, शोधार्थियों और प्रकृति प्रेमियों के लिए खुला है। पंजीयन शुल्क सामान्य प्रतिभागियों के लिए 2,500 रुपए तथा विद्यार्थियों के लिए 2,000 रुपए रखा गया है। केवल 40 प्रतिभागियों को ही इसमें शामिल होने का अवसर मिलेगा। पंजीयन की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर 2025 निर्धारित की गई है।

वनमण्डलाधिकारी बलौदाबाजार श्री धम्मशील गणवीर ने बताया कि इस आयोजन में प्रतिभागियों को बारनवापारा अभ्यारण्य की समृद्ध वन संपदा और तितलियों-पतंगों के पारिस्थितिक महत्व को समझने का अवसर मिलेगा। साथ ही प्रतिभागियों के लिए कई रोचक गतिविधियां जैसे तितलियों पर कलात्मक पेंटिंग, प्रकृति एवं वन्यजीव विषय पर चित्रकला और वन्यजीवों से जुड़ी प्रेरक कहानियाँ भी रखी गई हैं।

अक्टूबर 2025 में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के निर्माण कार्यों की राष्ट्रीय गुणवत्ता जांच

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना विकास एजेंसी, नई दिल्ली के निरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के निर्माणाधीन कार्यों की तृतीय स्तर की गुणवत्ता जांच हेतु राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षकों का दौरा अक्टूबर 2025 में निर्धारित किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न जिलों में राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षक निर्माण कार्यों का स्थल निरीक्षण करेंगे। इस निरीक्षण का उद्देश्य प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत हो रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का मूल्यांकन करना तथा आवश्यक सुधारात्मक सुझाव प्रदान करना है। इस क्रम में राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षक श्री जगदीश राय गर्ग द्वारा कोण्डागांव एवं दंतेवाड़ा जिलों का निरीक्षण अक्टूबर 2025 में किया जाएगा। उनका मोबाइल नंबर +91-8008516763 तथा ई-मेल आईडी jr.garg@yahoo.com है। छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण, रायपुर द्वारा राज्य गुणवत्ता समन्वयक एवं मुख्य अभियंता श्री हरिओम शर्मा के निर्देशन में यह निरीक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। यह पहल प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों की गुणवत्ता, मजबूती एवं दीर्घकालिक स्थायित्व सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे राज्य के ग्रामीण अंचलों में बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी तथा ग्रामीण विकास को नई गति मिलेगी।

सौर सुजला योजना से सिंचाई सुविधा में हो रहा विस्तार

सोलर पप से किसान ले रहे दोहरी फसल का लाभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में किसानों को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा सौर सुजला योजना का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत किसानों को सोलर पम्प उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे अब वर्षा पर निर्भर रहने वाले खेतों में भी सिंचाई की सुविधा सुलभ हो गई है। परिणामस्वरूप किसान अब वर्ष में दोहरी फसल लेकर अपनी आय दोगुनी कर रहे हैं।

जिले के विकासखण्ड रामचन्द्रपुर के ग्राम झारा के किसान श्री मुनेश्वर प्रसाद यादव ने सौर सुजला योजना से लाभ लेकर अपनी खेती को नई दिशा दी है। उनके पास 5 एकड़ भूमि है, जिसमें पहले केवल 2 एकड़ ही सिंचित थी। क्रेडा विभाग की सहायता से सोलर पम्प लगवाने के बाद अब पूरी भूमि पर सिंचाई संभव हो गई है। श्री यादव अब धान के साथ-साथ साग-सब्जियों की खेती भी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पहले खरीफ सीजन में लगभग 60 हजार रुपये की आमदनी होती थी, जबकि सोलर पम्प लगने के बाद अब वार्षिक आय बढ़कर करीब 1 लाख रुपये तक पहुँच गई है।उन्होंने कहा कि पहले वर्षा आधारित खेती से जोखिम और नुकसान की आशंका बनी रहती थी, परंतु सौर सुजला योजना से सिंचाई की निर्बाध सुविधा मिलने के बाद खेती अब अधिक लाभदायक हो गई है। अब वे रबी और खरीफ दोनों सीजन में फसलें ले रहे हैं और साग-सब्जी उत्पादन से अतिरिक्त आमदनी अर्जित कर रहे हैं।

वर्तमान में सौर सुजला योजना फेस-9 के अंतर्गत बलरामपुर जिले को 300 सोलर पम्प लगाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इच्छुक किसान आधार कार्ड, भूमि का खसरा, रकबा, प्रमाणित नक्शा, जाति प्रमाण पत्र, पासबुक की छायाप्रति, स्थापना स्थल के फोटोग्राफ्स तथा आवेदन शुल्क (3 एचपी पम्प के लिए 3000 रुपए, 5 एचपी के लिए 4800 रुपए) के साथ अपने ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, क्रेडा या उप संचालक कृषि कार्यालय में संपर्क कर योजना का लाभ ले सकते हैं।

राज्यपाल डेका से अखिल भारतीय व्यापारिक परिसंघ महिला इकाई के सदस्यों ने सौजन्य भेंट की

रायपुर, राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज राजभवन में अखिल भारतीय व्यापारिक परिसंघ (कैट) महिला इकाई दुर्ग की अध्यक्ष सुश्री पायल जैन एवं अन्य सदस्यों ने सौजन्य भेंट की। उन्होंने राज्यपाल को कैट की गतिविधियों से अवगत कराते हुए बताया कि उनके द्वारा क्षेत्र के छोटे महिला उद्यमियों एवं स्व-सहायता समूहों को बाजार उपलब्ध कराने का कार्य किया जाता है।

श्री डेका ने उनके प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि अधिक से अधिक महिला स्व-सहायता समूहों विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र के समूहों को उनके द्वारा उत्पादित सामग्रियों की बिक्री के लिए प्लेटफार्म उपलब्ध कराएं जिससे उन्हें आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर कैट की सदस्य सुश्री मुंजा जी. पिन्चा, श्री संभव पारख उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना बनी किसानों के लिए वरदान

किसान प्रेमचंद के जीवन में लाई नई उमीद और आत्मनिर्भरता

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना आज देशभर के किसानों के जीवन में स्थायित्व, आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण का प्रतीक बन चुकी है। इस योजना के अंतर्गत किसानों को प्रति वर्ष 6 हजार की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में दी जाती है, जिससे वे खेती-किसानी से जुड़े आवश्यक कार्यों को सुचारू रूप से संचालित कर पा रहे हैं।

सक्ति जिले के ग्राम अंजोरीपाली निवासी किसान श्री प्रेमचंद मैत्री भी इस योजना के नियमित लाभार्थी हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें योजना की प्रत्येक किस्त समय पर प्राप्त होती है, जिससे वे बीज, खाद, कीटनाशक एवं कृषि उपकरणों की खरीद में इसका उपयोग करते हैं। इससे न केवल उनकी खेती की उत्पादकता बढ़ी है, बल्कि फसलों की गुणवत्ता में भी सुधार आया है। किसान श्री मैत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना ने ग्रामीण किसानों के आर्थिक जीवन में स्थिरता और विश्वास की नई लहर पैदा की है। पहले जहां छोटे किसानों को खेती के लिए पूंजी जुटाने में कठिनाई होती थी, वहीं अब इस योजना से उन्हें न केवल वित्तीय सहायता मिल रही है बल्कि वे आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए भी प्रेरित हो रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना हमारे जैसे छोटे किसानों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। प्रत्येक किस्त से खेती के लिए आवश्यक संसाधनों की पूर्ति होती है, जिससे कृषि कार्यों की निरंतरता बनी रहती है और किसानों में आत्मविश्वास बढ़ा है।

निलंबित कर्मचारियों की बहाली पर अब शिक्षक-विहीन एवं एकल शिक्षकीय विद्यालयों में की जाएगी पदस्थापना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। संचालक लोक शिक्षण संचालनालय, छत्तीसगढ़ द्वारा राज्य के सभी संभागीय संयुक्त संचालकों एवं जिला शिक्षा अधिकारियों को निलंबित कर्मचारियों की बहाली के पश्चात उनकी पदस्थापना संबंधी महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं। आदेश में स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया है कि आगे से निलंबित कर्मचारियों के बहाल होने पर उनकी पदस्थापना शिक्षक विहीन अथवा एकल शिक्षकीय विद्यालयों में प्राथमिकता के आधार पर की जाए, ताकि विद्यालयों में शिक्षण कार्य सुचारू रूप से संचालित हो सके तथा विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। निर्देशों में उल्लेख किया गया है कि अब तक निलंबन से बहाल किए गए कर्मचारियों की पदस्थापना जिले एवं संभाग के अन्य विद्यालयों में की जा रही थी, जबकि कई विद्यालय ऐसे हैं जहाँ शिक्षक विहीनता या एकल शिक्षकीय स्थिति बनी हुई है। संचालनालय ने इसे अनुचित एवं अव्यवहारिक व्यवस्था बताते हुए सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी अधिकारियों को इस निर्देश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए कहा है। इस निर्णय से प्रदेश के शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षक उपलब्धता ओर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशानुसार आयुष्मान व वय वंदन कार्ड निर्माण में दिखाई गई सेवा भावना

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ग्राम पंचायत चनवारीडांड में स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाने की दिशा में एक अनुकरणीय पहल की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के निर्देशानुसार उपस्वास्थ्य केंद्र चनवारीडांड के आरएचओ लाल बहादुर यादव के मार्गदर्शन में 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयुष्मान कार्ड और वय वंदन कार्ड बनाए गए। इस दौरान नेटवर्क विहीन क्षेत्रों में रहने वाले पात्र हितग्राहियों को विशेष वाहन की व्यवस्था कर सिविल अस्पताल मनेंद्रगढ़ तक लाया गया, जहां समस्त कार्ड निर्माण की प्रक्रिया संपन्न कराई गई। आरएचओ लाल बहादुर यादव ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र हितग्राही तकनीकी बाधाओं के कारण शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं से वंचित न रह जाए। वरिष्ठ नागरिकों ने इस पहल के लिए स्वास्थ्य विभाग के प्रति आभार जताया और कहा कि इससे उन्हें न केवल स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ मिलेगा बल्कि वय वंदन योजना से सामाजिक सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। इस कार्य में स्वास्थ्य अमले के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों का भी सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ। ग्रामीणों ने इस पहल को जनहितैषी शासन की संवेदनशीलता और स्वास्थ्य विभाग की तत्परता का जीवंत उदाहरण बताया।

अपराध नियंत्रण में नई तकनीक एक सशक्त कदम

सिमगा में उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने किया सिटी सर्विलांस का शुभारंभ

अत्याधुनिक 40 सीसीटीवी कैमरों से शहर की हर गतिविधि पर रहेगी पैनी नजर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने शुक्रवार को बलौदाबाज़ार-भाटापारा जिले के सिमगा नगर में सिटी सर्विलांस सिस्टम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने थाना परिसर में स्थापित सीसीटीवी सिटी सर्विलांस कक्ष का अवलोकन कर नगर की निगरानी व्यवस्था की जानकारी ली। कार्यक्रम में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, कलेक्टर दीपक सोनी, पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता, जनपद अध्यक्ष दौलत राम पाल, जनपद सदस्य चंद्रप्रकाश टोंड्रे सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित थे।

अपने उद्बोधन में उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार अपराध नियंत्रण और जनता की सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीक का अधिकतम उपयोग कर रही है। सिमगा नगर में सिटी सर्विलांस की शुरुआत इस दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि सिमगा नगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित है, जहां कई औद्योगिक इकाइयाँ संचालित हैं और विभिन्न प्रांतों से लोग आते-जाते रहते हैं। ऐसे में किसी भी आपराधिक घटना के तुरंत बाद उसकी पहचान और अपराधियों की तलाश अब सीसीटीवी नेटवर्क से सहज और तेज़ हो जाएगी। उन्होंने बताया कि शहर में 40 उच्च गुणवत्ता वाले कैमरे लगाए गए हैं, जो दिन-रात समान रूप से कार्य करने में सक्षम हैं और वाहन के नंबर प्लेट तक को स्पष्ट रूप से कैद कर सकते हैं। इससे अपराध नियंत्रण, दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा ट्रैफिक प्रबंधन में उल्लेखनीय सुधार आएगा।

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि सिटी सर्विलांस व्यवस्था शहर की ÷तीसरी आँख÷ साबित होगी। अब किसी भी घटना पर तुरंत निगरानी रखी जा सकेगी और अपराधियों को पकड़ने में पुलिस को ठोस सबूत मिल सकेंगे। कार्यक्रम में कलेक्टर दीपक सोनी और पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता ने भी इस पहल को शहर की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि निगरानी तंत्र से न केवल अपराधों में कमी आएगी बल्कि लोगों में भी सुरक्षा का विश्वास बढ़ेगा।

रतलाम जिला अभिभाषक संघ की पहल

सिविल जज परीक्षा की फ्री तैयारी कराएंगे, रिटायर्ड जज पढ़ाएंगे

रतलाम, एजेंसी। रतलाम जिला अभिभाषक संघ ने न्यायिक सेवा की तैयारी कर रहे युवा वकीलों के लिए एक सराहनीय पहल की है। अब सिविल जज परीक्षा की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों को निशुल्क कोचिंग दी जाएगी, जिसमें हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज और अनुभवी न्यायिक अधिकारी कक्षाएं लेंगे। इस प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश नीना आशा पुरे के मुख्य आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम में स्टेट बार सदस्य जय हार्डिया, कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश रामजी गुप्ता, विशेष न्यायाधीश रुग्नाथ सिंह चुंडावत और संघ के अध्यक्ष राकेश शर्मा मौजूद रहे।

अभिभाषकों की प्रतिभा को तराशने का प्रयास: अध्यक्ष राकेश शर्मा ने बताया कि यह कोचिंग पूरी तरह से निशुल्क रहेगी और इसका उद्देश्य है अभिभाषक परिवार की प्रतिभाओं को न्यायिक सेवा के लिए तैयार करना। उन्होंने कहा कि यह शिविर न केवल परीक्षा की तैयारी में मदद करेगा, बल्कि प्रतिभागियों को न्यायिक व्यवस्था की गहराई से समझ भी देगा।

100 से अधिक अभ्यर्थियों ने कराया पंजीयन: शिविर में अब तक 100 से अधिक अभिभाषकों ने पंजीयन कराया है। कोचिंग की मुख्य जिम्मेदारी एडवोकेट रोहित शर्मा निभा रहे हैं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जज नीना आशा ने इसे एक अनूठी और अनुकरणीय पहल बताया। उन्होंने कहा कि रतलाम न्यायालय में मौजूद अनुभवी न्यायिक अधिकारियों से सीखकर प्रतिभागियों को उत्कृष्ट मार्गदर्शन मिलेगा।

मप्र में पहली बार ऐसा शिविर : स्टेट बार सदस्य जय हार्डिया ने कहा कि मध्यप्रदेश में रतलाम पहला जिला है जहां जिला अभिभाषक संघ इस तरह की उच्च स्तरीय कार्यशाला आयोजित कर रहा है। कार्यक्रम के दौरान न्यायिक मजिस्ट्रेट अरुण सिंह ठाकुर और अतुल श्रीवास्तव ने सिविल जज परीक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी, जिसमें परीक्षा प्रवेश प्रक्रिया और पाठ्यक्रम से जुड़े बिंदु शामिल थे।

यह रहे उपस्थित : इस अवसर पर संघ के सह सचिव विरेंद्र कुलकर्णी, कोषाध्यक्ष राजेंद्र सिंह पंवार, पुस्तकालय सचिव सुनीता वासनवाल और अन्य कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सचिव चेतन केलवा ने किया और दिव्या शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

सागर में गुलाबी ठंड ने दी दस्तक

18 डिग्री पहुंचा रात का तापमान; पहाड़ों पर बर्फबारी से हवाओं का रुख बदला

सागर, एजेंसी। मध्यप्रदेश में जहां अभी पूरी तरह से मानसून विदा नहीं हुआ है, वहीं सागर जिले में गुलाबी ठंड ने दस्तक दे दी है। दिन में तेज धूप और रात में हल्की ठंड का असर अब साफ नजर आने लगा है। न्यूनतम तापमान गिरकर 18 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जबकि अधिकतम तापमान 30 डिग्री बना हुआ है।

साफ आसमान, ठंडी हवाओं ने बढ़ाई सिहरन: शनिवार सुबह से आसमान पूरी तरह साफ रहा और तेज धूप खिली रही। लेकिन जैसे ही शाम ढली, वातावरण में ठंडक घुल गई। रात के समय लोगों को अब कंबल या हल्के गर्म कपड़ों की जरूरत महसूस होने लगी है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी के कारण हवाओं का रुख बदल गया है। अब उत्तर दिशा से ठंडी हवाएं मध्यप्रदेश में दाखिल हो रही हैं, जिससे सागर समेत पूरे इलाके में ठंड का असर बढ़ गया है।

तीन दिन पहले तक हुई जोरदार बारिश: गौरतलब है कि तीन दिन पहले तक सागर जिले में जोरदार बारिश हुई थी। रहली, गढ़ाकोटा, देवरी, केसली, मालथौन सहित कई इलाकों में लगातार बारिश से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश के चलते खेतों में खड़ी और काटी गई सोयाबीन की फसल को भारी नुकसान हुआ है।

फसलों के नुकसान पर सर्वे जारी: बारिश से फसलों को हुए नुकसान के बाद प्रशासन ने फौरन सर्वे के निर्देश दिए हैं। सर्वे दल अलग-अलग क्षेत्रों में पहुंचकर किसानों की फसल की स्थिति का आंकलन कर रहे हैं। किसानों को उम्मीद है कि नुकसान का मुआवजा उन्हें जल्द मिलेगा।

आने वाले दिनों में बढ़ सकती है ठंड: मौसम विभाग का कहना है कि यदि उत्तर से ठंडी हवाओं का दौर इसी तरह जारी रहा, तो आने वाले दिनों में सागर में ठंड और बढ़ सकती है।

नोट चबाकर निगलने की कोशिश करने वाले पटवारी को जेल

खंडवा में 3 साल की सजा, 4 हजार की घूस लेते पकड़ाया था आरोपी

खंडवा, एजेंसी। विशेष न्यायालय ने रिश्वतखोरी के मामले में पटवारी राजेश धात्रक को तीन साल के सश्रम कारावास और 25 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। यह मामला वर्ष 2020 का है, जब पटवारी ने एक किसान से नामांतरण के लिए 10 हजार रुपए प्रति पावती की रिश्वत मांगी थी। लोकायुक्त पुलिस ने 21 जनवरी 2020 को धात्रक को 4 हजार रुपए की घूस लेते रंगे हाथों पकड़ा था।

नोट निगलने की कोशिश की थी: अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी हरिप्रसाद बांके ने बताया कि ग्राम सुरगांव जोशी के किसान मांगीलाल प्यारो (रिटायर्ड टीचर) ने लोकायुक्त कार्यालय इंदौर में शिकायत की थी कि पटवारी राजेश धात्रक नामांतरण के बदले रिश्वत मांग रहा है। शिकायत पर लोकायुक्त पुलिस ने जाल बिछाया और धात्रक को उसके प्राइवेट ऑफिस से 4 हजार रुपए की घूस लेते पकड़ा। जब पुलिस उसे पकड़कर बाहर ला रही थी, तो उसने अचानक हाथ छुड़ाकर नोट मुंह में डाल लिए और चबाने लगा, ताकि सबूत मिटा सके। लेकिन पुलिस टीम ने मशक्कत कर नोट मुंह से निकाल लिए और उसे गिरफ्तार कर लिया।

कोर्ट ने दोषी मानते हुए सुनाई सजा: जांच पूरी होने के बाद लोकायुक्त पुलिस ने मामले में विशेष न्यायालय में अभियोग पत्र पेश किया।विशेष न्यायाधीश अरविंद सिंह टेकाम ने आरोपी धात्रक को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7(क) के तहत दोषी पाते हुए सजा सुनाई। लोकायुक्त की ओर से सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी विनोद कुमार पटेल ने पैरवी की।

पचमढ़ी आर्मी कैंपस में लिफ्ट गिरी, मजदूर की मौत

बिना सुरक्षा उपकरण के काम करवा रहा था ठेकेदार

नर्मदापुरम,एजेंसी। हिल स्टेशन पचमढ़ी के आर्मी कैंपस क्षेत्र में केंद्रीय विद्यालय के पास एक निर्माणाधीन बिल्डिंग में काम के दौरान लिफ्ट की चपेट में आकर एक मजदूर की मौत हो गई। हादसा शुक्रवार शाम करीब 4ः15 बजे हुआ। मृतक की पहचान अकल सिंह भोपा (28) के रूप में हुई है, जो सांगाखेड़ा ढाना, जिला छिंदवाड़ा का रहने वाला था। शनिवार सुबह शव का पीएम कराया गया।

बिना हेलमेट मजदूरी, लिफ्ट सिर पर गिरी: पचमढ़ी थाना प्रभारी अनूप उईके ने बताया कि जिस भवन में निर्माण कार्य चल रहा था, वहां मसाला और अन्य सामग्री छत पर चढ़ाने के लिए मशीन चलित लिफ्ट लगाई गई थी। हादसे के समय अकल सिंह नीचे खड़ा होकर काम कर रहा था, तभी अचानक से लिफ्ट नीचे आ गिरी और सीधे उसके सिर से टकरा गई। टीआई ने बताया कि अकल सिंह ने सुरक्षा के लिए जरूरी हेलमेट नहीं पहना था, जिससे उसे गंभीर चोट लगी और कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई।

ठेकेदार की लापरवाही से हादसा: प्राथमिक जांच में सामने आया है कि मजदूरों से बिना सुरक्षा उपकरण के काम करवाया जा रहा था। घटना के बाद यह भी स्पष्ट हुआ कि ठेकेदार ने सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना के बाद मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। शनिवार सुबह पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

सड़क गड्ढों में तब्दील, दुर्घटना का खतरा बढ़ा

बाराखंबा मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को होगी परेशानी

शासन प्रशासन ग्रामीण की मांग कर रहा अनसुनी

सीहोर, एजेंसी। सीहोर जिले की खेरी-इछावर मुख्य मार्ग की हालत बेहद खराब हो गई है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनी यह सड़क अब बड़े-बड़े गड्ढे, कीचड़ और पानी जमा होने के कारण दुर्घटनाओं का कारण बन रही है। प्रतिदिन सैकड़ों ग्रामीण, छात्र-छात्राएं और किसान इस मार्ग का इस्तेमाल करते हैं, जिन्हें फिसलने और गिरने का खतरा बना रहता है। हाल ही में हुई बारिश ने सड़क की स्थिति और भी बिगाड़ दी है।

दीपावली से पहले मरम्मत नहीं हुई: स्थानीय प्रशासन हर साल दीपावली से पहले इस सड़क की मरम्मत करवाता है, ताकि बाराखंबा मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी न हो। लेकिन इस साल अभी तक गड्ढे भरने का काम शुरू नहीं हुआ है। ऐसे में मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को इस बार भी खराब सड़क से गुजरना पड़ेगा।

भारी वाहनों ने सड़क उखाड़ दी: ग्राम खेरी के निवासियों ने बताया कि इस मार्ग से कंपनियों के भारी वाहन लगातार गुजरते हैं, जिससे सड़क का डामर पूरी तरह उखड़ गया है। वाहन चालकों को अब जोखिम उठाकर यात्रा करनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस क्षेत्र से केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का काफिला भी गुजरता है, लेकिन विधायक और अन्य जनप्रतिनिधियों का ध्यान सड़क की ओर नहीं है।

नागरिकों ने कई बार सड़क मरम्मत की मांग की है, लेकिन कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। लोगों का कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो यह सड़क किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना विभाग ने हालांकि बताया कि सड़क का निर्माण कार्य जल्द शुरू कराया जाएगा।

भीकनगांव में निजी स्कूल बस पलटी, 10 बच्चे घायल

गोविंदपुरा के पास तेज रफ्तार से हुआ हादसा, मामूली चोटें आईं

खरगोन, एजेंसी। खरगोन जिले के भीकनगांव क्षेत्र में एक निजी स्कूल बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में 10 बच्चे घायल हो गए। घटना गोविंदपुरा के पास सुबह लगभग 9 बजे हुई। घायलों को तुरंत एंबुलेंस और अन्य वाहनों से भीकनगांव के अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

ड्राइवर के नियंत्रण खोने से पलटी बस: ज्ञानदीप स्कूल की बस आसपास के गांवों से बच्चों को लेकर भीकनगांव जा रही थी। गोविंदपुरा के पास ड्राइवर ने बस से नियंत्रण खो दिया, जिससे बस सड़क किनारे झाड़ियों में जा पलटी। हादसे की प्रारंभिक वजह तेज रफ्तार बताई जा रही है।

सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस पहुंची: हादसे की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में बच्चों के अभिभावक मौके पर पहुंच गए। पुलिस और एंबुलेंस भी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचीं। ज्यादातर बच्चों को हाथ-पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में मामूली चोटें आई हैं। भीकनगांव अस्पताल में उनका उपचार चल रहा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पूर्व विधायक की भजन संध्या के पास चले लाठी-डंडे

जन्मदिन पर उज्जैन में था कार्यक्रम

उज्जैन, एजेंसी। उज्जैन के बड़नगर में कांग्रेस के एक पूर्व विधायक के जन्मदिन पर आयोजित भजन संध्या के पास हंगामा हो गया। कुछ युवकों के बीच मारपीट हुई और लट्ठ चलने लगे। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है।

बड़नगर के कांग्रेस के पूर्व विधायक मुरली मोरवाल का बुधवार को जन्मदिन था। इस मौके पर गांधी चौक पर भजन संध्या रखी गई थी, जिसमें तेजाजी नगर तक के लोग शामिल हुए थे। रात करीब 12ः45 बजे कुछ युवकों में किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। देखते ही देखते विवाद बढ़ा और मारपीट शुरू हो गई। कुछ युवक एक-दूसरे पर लट्ठ बरसाने लगे।

फिलहाल इस घटना को लेकर बड़नगर थाने में किसी ने शिकायत दर्ज नहीं कराई है। पूर्व विधायक मुरली मोरवाल से इस घटना के बारे में कहा कि, मेरे कार्यक्रम से करीब आधा किमी दूर ये विवाद हुआ। मुझे भी वीडियो वायरल होने के बाद पता चला। ये सभी युवक बाहर के दिखाई दे रहे है।

बड़नगर थाना प्रभारी अशोक पाटीदार ने बताया कि शुक्रवार रात को जब वीडियो सामने आया, तब घटना की जानकारी मिली। शनिवार सुबह पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की, जिसमें घटना की पुष्टि हुई है। अब आगे की कार्रवाई की जा रही है।

छतरपुर में खेत में चल रहा था जुए का फड़

जुझारनगर पुलिस ने छापा मारकर दो जुआरी पकड़े

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर की जुझारनगर पुलिस ने टिकरी गांव में खेत पर चल रहे जुए के फड़ पर पुलिस ने छापा मारकर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने फड़ से 5750 रुपए नकद और ताश की गड्डी बरामद की है।**खेत में चल रहा था जुआ:** पुलिस को सूचना मिली थी कि टिकरी गांव के एक खेत में कुछ लोग हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। इस पर थाना प्रभारी के नेतृत्व में टीम गठित कर मौके पर छापा मारा गया। वहां कुछ लोग ताश के पत्तों से जुआ खेलते मिले, जिन्हें रंगे हाथ पकड़ा गया।

ये हैं गिरफ्तार आरोपी: छापे के दौरान नंदराम कुशवाहा (पिता रामभजन कुशवाहा, निवासी ग्राम मुड़हरा, थाना प्रकाश बमौरी) और गुलेदा उर्फ रामकिशोर कुशवाहा (पिता सुघरा कुशवाहा, निवासी वार्ड क्रमांक 7, बारीगढ़, थाना जुझारनगर) को मौके से पकड़ा। वहीं, राजा सिंह तोमर और रज्जू विश्वकर्मा, दोनों निवासी टिकरी, मौके से फरार हो गए। पुलिस उनकी तलाश में दबिश दे रही है।

पब्लिक गैंबलिंग एक्ट में केस: पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ पब्लिक गैंबलिंग एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया है। फरार आरोपियों की तलाश जारी है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। टीआई ने बताया कि जिले में जुआ, सट्टा और अन्य अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। आगे भी ऐसे फड़ों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीणों ने पकड़ा बिना नंबर प्लेट का डंपर, मड़वास में अवैध रेत परिवहन करता वाहन पुलिस को सौंपा

सीधी, एजेंसी। सीधी जिले के मझौली जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम मड़वास में अवैध रेत परिवहन का मामला सामने आया है। शनिवार दोपहर ग्रामीणों ने बिना नंबर प्लेट का रेत से भरा एक डंपर पकड़ा। सूचना मिलने पर मड़वास थाना पुलिस ने वाहन को जब्त कर थाने पहुंचाया। ग्रामीणों की सजगता से यह कार्रवाई संभव हो पाई। उन्होंने मौके पर ही वाहन को रोक लिया और तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस अब डंपर के दस्तावेजों और रेत के स्रोत की जांच कर रही है। ग्रामीण हरीश सिंह ने बताया कि गांव के आसपास कई महीनों से अवैध रेत का कारोबार चल रहा है। उनकी शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होती। रात के अंधेरे में रेत से भरे वाहन गुजरते हैं और प्रशासन इस पर मौन रहता है।दस्तावेजों की होगी जांचः इस मामले पर खनिज निरीक्षक शिशिर यादव ने कहा कि ग्रामीणों की सूचना के बाद विभाग सक्रिय हुआ है।

रायसेन में दीपावली को लेकर नगर पालिका की पहल

रायसेन, एजेंसी। दीपावली के मद्देनजर घरों में साफ-सफाई विशेष रूप से होने पर घरों से निकलने वाले कचरे की मात्रा बढ़ जाती है। इसे देखते हुए रायसेन नगर पालिका ने एक नई व्यवस्था लागू की है। अब शहर में कचरा उठाने वाले सभी 9 वाहन अपने निर्धारित वार्डों में दिन में दो बार चक्कर लगाएंगे।

शहर को स्वच्छ रखने के लिए पहल शुरू की: यह पहल इसलिए की गई है ताकि लोग घरों से निकलने वाला अतिरिक्त कचरा सड़कों पर न फेंकें और शहर को स्वच्छ रखा जा सके। इससे पहले ये वाहन दिन में केवल एक ही बार चक्कर लगाते थे। नई व्यवस्था के तहत अब दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे के बीच दूसरी बार कचरा लेने के लिए वाहन आएंगे। नगर पालिका सीएमओ सुरेखा जाटव ने शहरवासियों से अपील की है कि वे घरों से निकलने वाले कचरे को सड़कों पर न डालकर केवल कचरा वाहनों में ही डालें। उनका कहना है कि इससे घरों की तरह शहर भी साफ-सुथरा रहेगा।

शहरवासी इनसे कर सकते है संपर्क : कचरा वाहन संबंधी किसी भी परेशानी के लिए शहरवासी सफाई शाखा के प्रभारी से संपर्क कर सकते है। सफाई शाखा के प्रभारी शशिकांत माहोड़ से मोबाइल नंबर 9713428755 और तरुण चावला से मोबाइल नंबर 9926786575 पर संपर्क कर सकते है।

बच्चे कृष्ण-राधा बन गरबा में करते दिखे कृष्ण लीलाएं

सिलमपुरा में राधा-कृष्ण रूप में गरबे करते दिखे बच्चे; करवा अष्टमी तक चलेगा उत्सव

बुरहानपुर, एजेंसी। बुरहानपुर के सिलमपुरा क्षेत्र में गुजराती समाज द्वारा गरबा महोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। यहां के निवासी ललित शाह के घर इस वर्ष भी परंपरागत रूप से माता रानी का गरबा स्थापित किया गया, जहां प्रतिदिन श्रद्धा और भक्ति के साथ माता की आराधना और गरबा रास का आयोजन हो रहा है।

पीढ़ियों से चली आ रही परंपरा: गुजराती परिवारों में नवरात्रि के दौरान गरबा लाने की परंपरा कई पीढ़ियों से चली आ रही है। मान्यता है कि माता रानी के घर में आगमन से सुख, शांति और समृद्धि आती है और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इसी भावना के साथ ललित शाह के घर हर दिन माता की पूजा-अर्चना की जा रही है।

कृष्ण-राधा बन बच्चों ने रचाई लीलाएं: इस बार के आयोजन की खास बात रही कि परिवार के बच्चों ने भगवान कृष्ण और राधा का रूप धारण कर सुंदर कृष्ण लीलाएं प्रस्तुत कीं। समाजजन भी इस भावपूर्ण प्रस्तुति को देखकर भावविभोर हो उठे। बच्चों के साथ सभी ने पारंपरिक वेशभूषा में गरबा रास किया और माता रानी की भक्ति में लीन हो गए। हर शाम गरबा स्थल पर गुजराती समाज के लोग बड़ी संख्या में एकत्रित हो रहे हैं, जहां भक्ति, संगीत और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। डांडिया की ताल पर थिरकते कदम और माता रानी के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। यह गरबा उत्सव करवा अष्टमी तक जारी रहेगा, जिसमें प्रतिदिन विशेष पूजा, आरती और गरबा रास का आयोजन किया जाएगा।

रणजी ट्रॉफी : शार्दुल ठाकुर की कप्तानी में मुंबई की 16 सदस्यीय टीम घोषित, पहला मैच जम्मू-कश्मीर से

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे अनुभवी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर की कप्तानी में मुंबई क्रिकेट संघ ने आगामी रणजी सीजन के लिए मुंबई की 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। इस टीम में अनुभवी अजिंक्य रहाणे और घरेलू क्रिकेट में रन मशीन के रूप में पहचान बनाने वाले सरफराज खान शामिल हैं। रहाणे के कप्तानी से इस्तीफा देने के बाद शार्दुल को कप्तान बनाया गया था। मुंबई की टीम में युवा मुशीर खान, आयुष म्हात्रे के साथ ही ऑलराउंडर शिवम दुबे को भी जगह दी गई है। टीम में श्रेयस अय्यर नहीं हैं। श्रेयस ने लंबे फॉर्मेट से कुछ समय के लिए ब्रेक लिया है। सूर्यकुमार यादव भी टीम का हिस्सा नहीं हैं। लंबे समय तक मुंबई का हिस्सा रहे पृथ्वी शॉ आगामी सीजन में महाराष्ट्र की तरफ से खेलते हुए नजर आएंगे। शॉ को पिछले सीजन टीम में जगह नहीं दी गई थी जिसके बाद उन्होंने टीम से अलग होने का फैसला किया था। कई बड़े खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी के बावजूद मुंबई की टीम में युवा, अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। शार्दुल ठाकुर के पास बतौर कप्तान अपनी क्षमता साबित करने का बेहतरीन अवसर है। शार्दुल गेंदबाज के साथ-साथ बल्लेबाज के रूप में भी लंबे फॉर्मेट में अच्छा प्रदर्शन करते हैं। अगर रणजी ट्रॉफी में शार्दुल एक खिलाड़ी के तौर पर भी उम्दा प्रदर्शन करते हैं, तो भारतीय टीम में उनकी वापसी की संभावना बन सकती है।

42 बार की रणजी चैंपियन मुंबई अपने अभियान की शुरुआत 15 अक्टूबर से श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में जम्मू और कश्मीर के खिलाफ करेगी। एलीट ग्रुप डी में शामिल मुंबई लीग चरण में हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, हैदराबाद, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और पुडुचेरी से भिड़ेगी।

मुंबई टीम: शार्दुल ठाकुर (कप्तान), आयुष म्हात्रे, आकाश आनंद (विकेटकीपर), हार्दिक तमोरे (विकेटकीपर), सिद्धेश लाड, अजिंक्य रहाणे, सरफराज खान, शिवम दुबे, शम्स मुलानी, तनुष कोटियन, तुषार देशपांडे, सिल्वेस्टर डिसूजा, इरफान उमैर, मुशीर खान, अखिल हेरवाडकर, रॉयस्टन डायस।

द लीजेंड्स चैस टूर्नामेंट-2025: कास्परोव ने आनंद पर बनाई शुरुआती बढ़त

सैंट लुई (अमरीका), एजेंसी। महान खिलाड़ियों के बीच मुकाबले के पहले दिन गैरी कास्परोव ने यहां तीसरी बाजी में भारत के विश्वनाथन आनंद को हराकर क्लच शतरंज मुकाबले में 2.5-1.5 की बढ़त बना ली। शतरंज के इतिहास के संभवतः सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी कास्परोव ने 62 साल की उम्र में दिखाया कि 21 साल पहले संन्यास लेने के बावजूद उनमें अब भी काफी शतरंज बचा है। आनंद को भी मौके मिले लेकिन वह उनका फायदा उठाने में नाकाम रहे।

शतरंज 960 प्रारूप के तहत रोजाना 2 रैपिड और 2 ब्लिट्ज मुकाबले होने हैं। दिन की शुरुआती 2 बाजी ड्रॉ रहीं जिसके बाद कास्परोव ने तीसरी बाजी में आनंद को हराया। आनंद के पास बाजी को ड्रॉ कराने का मौका था लेकिन वह चूक गए।

भारत बनाम वेस्टइंडीज

दोहरे शतक से चूके यशस्वी जायसवाल, रन आउट होकर लौटे पवेलियन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल वेस्टइंडीज के खिलाफ अरुण जेटली स्टेडियम में जारी दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में दोहरा शतक चूक गए। मुकाबले के दूसरे दिन पहले सेशन के खेल में जायसवाल रन आउट आउट होकर पवेलियन लौटे। 92वें ओवर की दूसरी गेंद पर जायसवाल ने जायडेन सील्स की फुल लेंथ गेंद को मिड-ऑफ की ओर मजबूती से ड्राइव किया। जायसवाल ने रन चुराने की कोशिश में तुरंत दौड़ लगानी शुरू कर दी, लेकिन इसमें गिल को कोई दिलचस्पी नहीं थी। जायसवाल तब तक काफी आगे निकल गए थे, उन्होंने वापस क्रीज पर लौटने की कोशिश की, लेकिन बहुत देर हो चुकी थी। थ्रो कीपर के छोर पर आया और तेविन इमलाच ने स्टंप्स बिखेर दिए। रन आउट होने के बाद जायसवाल दूसरे छोर पर मौजूद कप्तान से

कुछ हद तक खफा भी नजर आए।

जायसवाल 258 गेंदों में 22 चौकों के साथ 175 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वह भारत के लिए सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर पर रन-आउट होने वाले तीसरे खिलाड़ी भी बन गए। इस अनचाही लिस्ट में संजय मांजरेकर शीर्ष पर हैं, जो साल 1989 में पाकिस्तान के विरुद्ध लाहौर के मैदान पर 218 के स्कोर पर रन आउट हुए थे। वहीं, द ओवल में साल 2002 में इंग्लैंड के विरुद्ध 217 के स्कोर पर रन आउट होने वाले राहुल द्रविड़ इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं। राहुल ही इस लिस्ट में तीसरे पायदान पर भी हैं, जो साल 2001 में कोलकाता टेस्ट के दौरान ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध 180 रन पर इस तरह आउट हो चुके हैं। अगर यशस्वी जायसवाल इस मैच में दोहरा शतक जड़ते, तो यह उनके करियर का तीसरा दोहरा शतक होता। जायसवाल फरवरी 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ विशाखापत्तनम में 209 रन की पारी खेल चुके हैं। इसके अगले ही मैच में जायसवाल ने राजकोट में इंग्लैंड के विरुद्ध नाबाद 214 रन बनाए थे। वेस्टइंडीज के खिलाफ जारी दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन 94 ओवरों के खेल तक भारत ने 3 विकेट खोकर 343 रन बना लिए हैं। जायसवाल के अलावा, केएल राहुल 38, जबकि साई सुदर्शन 87 रन बनाकर पवेलियन लौट गए हैं। फिलहाल, कप्तान शुभमन गिल 33 और नितीश रेड्डी 10 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं।

भारत ने दिल्ली टेस्ट में 518/5 पर पारी घोषित की-कप्तान गिल 129 रन बनाकर नाबाद लौटे, जायसवाल ने 175 रन बनाए

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन अपनी पहली पारी 518/5 के स्कोर पर घोषित कर दी। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने करियर की 10वीं सेंचुरी जमाई। वे 129 रन बनाकर नाबाद लौटे। उनसे पहले यशस्वी जायसवाल ने 175 रनों की पारी खेली। साई सुदर्शन ने 87, ध्रुव जुरेल ने 44 और नीतीश कुमार रेड्?डी ने 43 रन बनाए। वेस्टइंडीज के लिए जोमेल वारिकन ने तीन विकेट लिए। एक विकेट कप्तान रोस्टन चेज को मिला।

महिला विश्व कप : हरलीन देओल को गुडबाय का इशारा, साउथ अफ्रीकी गेंदबाज को आईसीसी ने फटकारा

दुबई, एजेंसी। साउथ अफ्रीकी स्पिनर नॉनकुलुलेको म्लाबा को भारत के खिलाफ मुकाबले के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आधिकारिक रूप से फटकार लगाई गई है। गुरुवार को विशाखापत्तनम में खेले गए महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के इस मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने 3 विकेट से जीत दर्ज की थी। बाएं हाथ की 24 वर्षीय स्पिनर को आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन करते पाया गया, जो किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान बल्लेबाज के आउट होने पर अपमानजनक भाषा, व्यवहार, हावभाव या आक्रामक प्रतिक्रिया से संबंधित है। इस स्पिनर को आधिकारिक फटकार लगाई गई और उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ दिया गया। यह 24 महीने की अवधि में म्लाबा का पहला अपराध है। आईसीसी के अनुसार, लेवल 1 के उल्लंघन के लिए न्यूनतम सजा आधिकारिक फटकार, अधिकतम मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना और मामले की गंभीरता के आधार पर एक या दो डिमेरिट अंक हो सकते हैं।

यह घटना भारतीय पारी के 17वें ओवर में हुई, जब म्लाबा ने हरलीन देओल को आउट किया। विकेट लेने के बाद, जब भारतीय बल्लेबाज मैदान से बाहर जा रही थीं, तो म्लाबा ने उन्हें गुडबाय का इशारा किया। आईसीसी ने बयान में कहा, म्लाबा ने अपराध स्वीकार कर लिया है। उन्होंने मैच रेफरी की ओर से प्रस्तावित दंड को स्वीकारा है, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई जरूरत नहीं थी। इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम 49.5 ओवरों में 251 रन पर सिमट गई।

मेसी की गैरमौजूदगी में लो सेल्सो का विजयी गोल, वेनेजुएला पर अर्जेंटीना की आसान जीत

मियामी, एजेंसी। लियोनेल मेसी की गैरमौजूदगी के बावजूद, अर्जेंटीना ने शुक्रवार को मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में वेनेजुएला को 1-0 से शिकस्त दी। इस मुकाबले में गियोवानी लो सेल्सो जीत के हीरो रहे। जूलियन अल्वारेज और लौटारो मार्टिनेज के नेतृत्व में अर्जेंटीना का आक्रमण इस पूरे मैच में आक्रामक रहा, जबकि फुलबैक नाहुएल मोलिना ने दाहिने छोर पर अपनी ऊर्जा से फैंस को प्रभावित किया। इस मुकाबले में निर्णायक मौका 31वें मिनट में आया। अल्वारेज और मार्टिनेज ने बॉक्स के पास शानदार तालमेल दिखाया, जिसने वेनेजुएला के डिफेंडर्स को अपनी पोजीशन से बाहर खींच लिया और फिर लो सेल्सो को पास थमा दिया।

मिडफील्डर ने बेहतरीन संयम दिखाते हुए बाएं पैर से सटीक शॉट लगाया, जो गोलकीपर जोस कॉन्ट्रेरास को चकमा देते हुए नेट में जा पहुंचा। इसी के साथ अर्जेंटीना ने 1-0 की बढ़त हासिल की। गियोवानी लो सेल्सो ने पहले हाफ में शानदार गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। उनका यह गोल करीब 15,000 दर्शकों के सामने मौजूदा विश्व चैंपियन को आसान जीत दिलाने के लिए काफी था।

बढ़त हासिल करने के बाद, लियोनेल स्कालोनी की टीम ने अपने खास अंदाज में खेल की रफ्तार पर नियंत्रण बना लिया। तेज ट्रांजिशन और छोटे-छोटे पास के जरिए अर्जेंटीना ने दबदबा कायम रखा। वहीं, वेनेजुएला कोई स्पष्ट मौका नहीं बना

सकी। दूरी से किए कुछ प्रयास गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज को मुश्किल में डालने में नाकाम रहे। भले ही इसके बाद अर्जेंटीना ने दूसरे हाफ में अपने गोल की संख्या में कोई इजाफा नहीं किया, लेकिन टीम किसी भी तरह की परेशानी में नजर नहीं आई। उल्लेखनीय है कि इस मैत्रीपूर्ण मैच का इस्तेमाल व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर से पहले टीम को परखने के लिए किया गया है। एलेजांद्रो गार्नाचो और एंजो फर्नांडीज जैसे युवा खिलाड़ियों की मौजूदगी ने अंतिम चरणों में और भी जोश भर दिया। लियोनेल मेसी मांसपेशियों में जकड़न के चलते एहतियातन इस मैच में नहीं खेले। हालांकि, इस दौरान उन्होंने स्टैंड से अपने साथियों का उत्साह बढ़ाया।

महिला विश्व कप: न्यूजीलैंड की पहली जीत, बांग्लादेश को 100 रन से हराया

गुवाहाटी, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने महिला विश्व कप में लगातार 2 हार के बाद पहली जीत का स्वाद चख लिया है। बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को 100 रन के बड़े अंतर से हराया। बांग्लादेश को जीत के लिए 228 रन का लक्ष्य मिला था। न्यूजीलैंड की कसी हुई गेंदबाजी के सामने बांग्लादेश का टॉप ऑर्डर पूरी तरह बिखर गया। बांग्लादेश ने अपने 6 विकेट 33 रन पर खो दिए। इस समय ऐसा लग रहा था कि टीम 100 का आंकड़ा भी नहीं छू पाएगी। लेकिन, फाहिमा खातून के 34, नाहिदा अख्तर के 17, और राबिया खान के 25 रन के अलावा अतिरिक्त मिले 30 रनों की बदौलत बांग्लादेश की पारी 39.5 ओवर में 127 पर सिमटी। न्यूजीलैंड के लिए जेस केर और ली ताहुहु ने 3-3, रोजमेरी मेयर ने 2, और अमेलिया

केर और इडेन कार्सन ने 1-1 विकेट लिए। इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 227 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही थी और 38 के स्कोर पर टॉप ऑर्डर के तीन बल्लेबाज आउट हो चुके थे। इसके बाद कप्तान सोफी डिवाइन और ब्रूकी हेडिले ने चौथे विकेट के लिए 112 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 150 तक पहुंचाया। ब्रूकी हेडिले 104 गेंद पर 69 रन बनाकर आउट हुई। सोफी डिवाइन ने 85 गेंद पर 63 रन की पारी खेली। डिवाइन ने अपनी पारी में 2 चौके और 2 छक्के लगाए। इन दोनों के अलावा सूजी बेट्स ने 29 और मैडी ग्रीन ने 25 रन की पारी खेली। इन चारों बल्लेबाजों की बदौलत न्यूजीलैंड ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 227 रन बनाए।

बांग्लादेश की तरफ से राबिया खान श्रेष्ठ गेंदबाज रहीं। राबिया ने 10 ओवर में 30 रन देकर 3 विकेट लिए। मारुफा अख्तर, नाहिदा अख्तर, निशिता अख्तर निशि और फाहिमा खातून ने 1-1 विकेट लिए।

चेतन शर्मा का अंडर -23 सी.के नायडू ट्रॉफी के लिए राजस्थान की टीम में चयन

भरतपुर, एजेंसी। बीसीसीआई द्वारा आयोजित की जा रही अंडर-23 कर्नल सी.के नायडू ट्रॉफी के लिए भरतपुर जिले के राइट आर्म फ़ास्ट बॉलर चेतन शर्मा का राजस्थान की 15 सदस्यीय टीम में चयन हुआ है। जिला क्रिकेट संघ भरतपुर के सचिव शत्रुधन तिवारी ने बताया कि पहला मैच 16 से 19 अक्टूबर से एसएमएस स्टेडियम जयपुर में मुंबई के खिलाफ आयोजित होगा चेतन ने पिछले दिनों अंडर-19 इंडिया से खेलते हुए ऑस्ट्रेलिया टीम के ख़िलाफ और अंडर-19 एशिया कप में की गई बेहतरीन परफॉरमेंस एवं पूर्व में आरसीए द्वारा आयोजित की गई राज्यस्तरीय सीनियर क्रिकेट प्रतियोगिता आदि में किए गए बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर अंडर-23 कर्नल सी.के नायडू ट्रॉफी के लिए राजस्थान की टीम में चयन हुआ है सचिव ने यह भी बताया कि चेतन शर्मा पूर्व में अंडर-19 इंडिया की टीम में भी खेल चुके हैं चेतन के चयन पर जिला क्रिकेट संघ भरतपुर के कार्यालय पर मिठाई बांटी गई और एक दूसरे पदाधिकारियों को माला पहनाकर हर्ष व्यक्त करते हुई उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

रोहित शर्मा को मिली कप्तानी... विराट को किया बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। एक बार फिर चर्चा का विषय बन गए हैं भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा। जिम्बाब्वे के स्टार ऑलराउंडर सिकंदर रजा ने अपनी 'All-time best Tw® XI' का ऐलान किया है, जिसमें उन्होंने रोहित शर्मा को कप्तान के रूप में चुना है। रजा की टीम में कई दिग्गज खिलाड़ियों को पीछे छोड़ते हुए रोहित शर्मा पर भरोसा जताया गया। इस टीम में हैरानी की बात यह रही कि विराट कोहली और रू- धोनी जैसे क्रिकेट दिग्गजों को जगह नहीं मिली।

सिकंदर रजा की टी20 ड्रीम टीम

ओपनिंग- क्रिस गेल और रोहित शर्मा

विकेटकीपर- निकोलस पूरन

मिडिल ऑर्डर- एबी डिविलियर्स, हेनरिक क्लासेन, काइरन पोलार्ड

ऑलराउंडर- रवींद्र जडेजा, शाहिद अफरीदी

बॉलिंग अटैक- राशिद खान, जसप्रीत बुमराह, मिचेल स्टार्क, शाहीन अफरीदी

पूरी टीम- क्रिस गेल, रोहित शर्मा (कप्तान), निकोलस पूरन, एबी डिविलियर्स, हेनरिक क्लासेन, काइरन पोलार्ड, शाहिद अफरीदी, रवींद्र जडेजा, राशिद खान, जसप्रीत बुमराह,

शाहीन अफरीदी, मिचेल स्टार्क।

रोहित शर्मा पर अब भी सबकी निगाहें: हाल ही में भारतीय टीम की कप्तानी छिनने के बाद भी रोहित शर्मा का ध्यान फिटनेस और फॉर्म पर पूरी तरह है। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने पिछले कुछ महीनों में 15 किलो वजन घटाया है और पहले से कहीं ज्यादा फिट दिख रहे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित का प्रदर्शन अहम होगा। यदि वे वहां रन बनाते हैं, तो चयनकर्ताओं के लिए उन्हें नजरअंदाज करना मुश्किल होगा। हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया सीरीज के बाद रोहित का इंटरनेशनल करियर खत्म हो सकता है।

जोधाणा वॉरियर्स शुरुआती दौर में खेलो क्रिएटर्स लीग (केसीएल) में सबसे आगे

जयपुर, एजेंसी। खेलो क्रिएटर्स लीग (केसीएल) का जयपुर के सीतापुरा स्थित ज़ी स्टूडियो में शानदार आगाज हुआ। इस मौके पर भारत के शीर्ष डिजिटल क्रिएटर्स खेल भावना, मनोरंजन और सामुदायिक भावना का अनूठा मिश्रण देखने को मिला। टूर्नामेंट में कड़ी प्रतिस्पर्धा और 8 मैचों के बाद जोधाणा वॉरियर्स लगातार दो मैच जीत कर 4 अंक के साथ शुरुआती दौर में सबसे आगे चल रही है। इसके बाद, पिंक सिटी पलटन और शेखावाटी स्पार्टन्स ने एक-एक जीत के साथ अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखी है, जबकि मेवाड़ मावेरिक्स और बीकाणा बुल्स को आने वाले दौर में और मजबूती से वापसी करनी होगी। रोमांच को और बढ़ाते हुए, टूर्नामेंट के शीर्ष 4 रन स्कोरर जोधाणा वॉरियर्स के विकल्प मेहता रहे, जिन्होंने सिर्फ़ 2 मैचों में 145 रन बनाए। उनके बाद हितेंद्र सिंह (बीकाणा बुल्स, 62 रन), आरजे अर्जुन (मेवाड़ मावेरिक्स, 58 रन) और मंजीत सिंह (शेखावाटी स्पार्टन्स, सिर्फ़ 1 मैच में 46 रन) रहे। पहला दिन बेहद

रोमांचक रहा जब विकल्प मेहता, जो अपनी शानदार मिमिक्री और कॉमिक टाइमिंग के लिए जाने जाते हैं, ने अपने दमदार प्रदर्शन से मंच संभाला और पूरा स्टेडियम हँसी से गूंज उठा। जैसे-जैसे लीग अपने अंतिम दिन की ओर बढ़ रहा है, चार टीमों के बीच कल होने वाला सेमीफाइनल एक शानदार ग्रैंड फिनाले का मंच तैयार करेंगे जिसके बाद फाइनल के विजेता को केसीएल 2025 का ताज पहनाया जाएगा। अटलांचर स्पोर्ट्स के को-फाउंडर और वाईस प्रेजिडेंट जशन कौर ने कहा, ÷केसीएल सचमुच एक प्रोफेशनल लीग का अनुभव प्रदान कर रहा है जहाँ एंटरटेनमेंट एक्सेलेंस से मिलता है। खेल और फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए क्रिएटर्स से बेहतर और कौन हो सकता है? उनका प्रभाव युवा पीढ़ी को सक्रिय और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का एक सशक्त संदेश देगा।

चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय का 13वां दीक्षांत समारोह संपन्न

दीक्षांत समारोह में 37 पीएचडी, 540 स्नातक, 222 स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने उपाधि प्राप्त की, आकर्षण का केन्द्र रही शोभा यात्रा

मीडिया ऑडिटर , सतना (निप्र)। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय का 13वां दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय के दीक्षांत प्रांगण में परम्परागत गरिमा, उल्लास और उत्साह के वातावरण में सम्पन्न हुआ। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति और दीक्षांत समारोह के अध्यक्ष, मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने 37 छात्रों को शोध उपाधि व 35 उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पदक और 01 विद्यार्थी को नानाजी मेडल मंच से प्रदान किया। समारोह के मुख्य अतिथि और प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार रहे। विषिष्ट अतिथि राष्ट्रीय षिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली डॉ. अतुल कोठारी ने दीक्षांत उद्बोधन दिया। विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो0 भरत मिश्रा ने स्वागत उद्बोधन और प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कुलगुरू ने उपाधि धारकों को दीक्षांत शपथ भी दिलाई। दीक्षांत शोभायात्रा का नेतृत्व कुलसचिव डॉ. आरसी त्रिपाठी ने किया, जिसमें विद्यापरिषद और प्रबन्ध मण्डल के सदस्यों के साथ सभी संकायों के अधिष्ठाता सहभागी रहे। दीक्षांत समारोह का संचालन डॉ0 ललित कुमार सिंह ने किया।

इस अवसर पर विधायक चित्रकूट सुरेन्द्र सिंह गहरवार, दीनदयाल षोध संस्थान के संगठन सचिव अभय महाजन, नगर पंचायत अध्यक्ष साधना पटेल, उपाधि और मेडल पाने वाले विद्यार्थी, उनके अभिभावक, गणमान्य नागरिक, प्रशासनिक अधिकारी, ग्रामोदय के शिक्षक, अधिकारी-कर्मचारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

समृद्धि के शिखर पर माता-पिता, समाज और देश को न भूलें-मंगुभाई पटेल: दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति मंगु भाई पटेल ने श्रद्धेय नानाजी के कार्यों का पुण्य स्मरण किया। उन्होंने कहा कि षिक्षा का उद्देष्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि वंचित समुदाय के उन्नति का मार्ग प्रषस्त करना भी है। उन्होंने उपाधि धारकों से कहा कि नानाजी द्वारा स्थापित विष्वविद्यालय में अध्ययन करने का मौका आप सभी विद्यार्थियों को सौभाग्य के रूप में मिला है।

उनके बौद्धिक विचारों से प्रेरणा लेकर अपने जीवन की दिषा तय करें और सुखी तथा समृद्धि जीवन की ओर अग्रसर हो। छात्रों को आशीष देते हुए कुलाधिपति ने कहा कि आप बड़ी नौकरी और बड़े पद पायें लेकिन ये याद रखें कि आपको इस मुकाम तक पहुँचाने वाले आपके माता-पिता, आपका समाज, आपका देश और आपके शिक्षक हैं अत: समृद्धि और सफलता के शिखर पर पहूँचकर इन्हें कभी नही भूलें। समृद्धि पुरूषार्थ से सभी को मिल सकती है पर मेरी इच्छा है कि आप समृद्धि के साथ उदारता को भी प्राप्त करें।

जैसे चित्रकूट के कण-कण में नानाजी की उदारता और उनकी संकल्प शक्ति के दर्शन होते हैं वैसे ही आपके कार्यों से आपकी और आपके विश्वविद्यालय की कीर्ति दूर-दूर तक पहुँचे। आज के समय में लक्ष्य से भटकाने वाले बहुत से आकर्षण समाज में हैं। इनसे बचकर अपना समय और शक्ति राष्ट्र और स्व कल्याण में लगायें। विकसित भारत में हमारा जीवन कैसा हो इसके लिए आपने जो षिक्षा ग्रहण की है। उसका सदुपयोग समाज और राष्ट्र के हित में करते हुए सभी का जीवन समृद्ध और सुखमय बनाये।

शादी का झांसा देकर युवती से किया रेप, रिश्तेदारी में हुई थी पहचान

मीडिया ऑडिटर ,सतना (निप्र)। सतना की कोलगवां पुलिस ने नाबालि के अपहरण और दुष्कर्म के आरोपी वीरेंद्र उर्फ गुल्लू (24) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह कार्रवाई पीड़िता की शिकायत के बाद की गई। पुलिस ने मामले की तफ्तीश तुरंत शुरू कर दी थी। पुलिस के अनुसार, आरोपी नाबालिग से रिश्तेदारी में आते-जाते समय मिला और उसने उसे शादी का झांसा देकर अपने साथ सतना ले आया। आरोपी ने नाबालिग को किराए के कमरे में रखा और उसके साथ संबंध बनाए।

जब पीड़िता ने शादी के लिए विरोध किया, तो आरोपी ने उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। पीड़िता ने कई प्रयासों के बाद 10 अक्टूबर की सुबह किसी तरह आरोपी के चंगुल से बाहर निकलने में सफलता पाई। इसके बाद पीड़िता ने अपने परिजनों से संपर्क किया और कोलगवां थाने जाकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने कुछ ही घंटों में आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, जिससे इलाके में राहत की भावना फैल गई।

युवती से छेड़छाड़, पत्थरबाजी व आगजनी के 2 आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। सतना के सिंहपुर थाना क्षेत्र में युवती से छेड़छाड़, पत्थरबाजी और आगजनी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पकड़े गए आरोपियों के नाम दिवम मिश्रा (22) और प्रकाश उर्फ सुमित गर्ग (20) हैं।

दोनों पर युवती का पीछा करने, अश्लील हरकत करने, घर पर पथराव करने और ट्रैक्टर में आग लगाने के आरोप हैं। पुलिस के अनुसार, घटना की शुरुआत 14 सितंबर को हुई थी। युवती सिंहपुर बाजार में सब्जी खरीदने गई थी, तभी आरोपी दिवम मिश्रा और सुमित गर्ग उसका पीछा करने लगे। युवती ने घरवालों को फोन कर जानकारी दी और पैदल ही गांव की ओर चल पड़ी। रास्ते में दोनों आरोपियों ने उसका रास्ता रोककर अश्लील हरकतें कीं। तभी युवती का भाई मौके पर पहुंचा, तो दोनों आरोपी भाग गए।इसके बाद युवती ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत की खबर लगते ही उसी रात आरोपी उसके घर पहुंचे और गाली-गलौज कर पत्थरबाजी की।

इस दौरान युवती की चचेरी बहन घायल हो गई। युवती ने जब शिकायत वापस नहीं ली, तो लगभग 20 दिन बाद आरोपियों ने दोबारा उसके घर पर हमला किया और घर के बाहर खड़े ट्रैक्टर में आग लगा दी। इसके बाद पुलिस ने छेड़छाड़, मारपीट और आगजनी के अलग-अलग मामले दर्ज किए। पुलिस ने दोनों की तलाश शुरू की और शुक्रवार को उन्हें अलग-अलग जगहों से गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट में पेश करने के बाद दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

कलेक्टर एवं एसपी ने चित्रकूट मेला स्थल का किया निरीक्षण

सतना। कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस और पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह ने शनिवार को चित्रकूट पहुंच कर दीपावली मेला तैयारी, व्यवस्था तथा मेला स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

कार ने साइकिल सवार छात्र को उड़ाया, घर से स्कूल के लिए निकला था छात्र मौत

मीडिया ऑडिटर , सतना (निप्र)। सतना के जैतवारा थाना क्षेत्र के पावा टोला में शनिवार सुबह एक सड़क हादसे में साइकिल सवार छात्र की मौत हो गई। मृतक छात्र की पहचान निवाड़ी संग्राम टोला निवासी छोटा डोहर के रूप में हुई है। वह रोज की तरह स्कूल जाने के लिए साइकिल पर जा रहा था। पीछे से आ रही एक चारपहिया वाहन ने उसकी साइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि छात्र उछलकर गिर पड़ा और सिर में गंभीर चोट लगने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

गाड़ी चलाना सीख रहा था कार सवार: बताया जा रहा है कि हादसे को अंजाम देने वाली कार नई थी और चालक अभी गाड़ी चलाना सीख रहा था। इसी दौरान उसने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और सामने जा रहे छात्र को कुचल दिया। घटना की सूचना मिलते ही जैतवारा थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन आरोपी चालक कार लेकर फरार हो गया। पुलिस ने मर्ग कायम किया और छात्र के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस कार सवार की तलाश कर रही है।

शास्त्रीय संगीत के सुरों से गूंजा महाविद्यालय,' उद्देश्य- नए कलाकारों को मंच प्रदान करना

मीडिया ऑडिटर, मैहर (निप्र)। मैहर संस्कृति और संगीत कला धरोहर कार्यक्रम की सोलहवीं प्रस्तुति शुक्रवार शाम शासकीय संगीत महाविद्यालय परिसर में आयोजित की गई। संगीत सम्राट पद्म विभूषण उस्ताद अलाउद्दीन खां साहब की साधना भूमि मैहर शास्त्रीय संगीत की मधुर ध्वनियों से गूंज उठी। कार्यक्रम का शुभारंभ मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी के मुख्य आतिथ्य और जिला अध्यक्ष कमलेश सुहाने की अध्यक्षता में दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

हर महीने की पहली तारिख को किया जाता है आयोजन: यह आयोजन सामान्यत: प्रत्येक महीने की पहली तारीख को होता है, परंतु नवरात्रि और मैहर जिले के स्थापना दिवस के कारण इस बार इसे शुक्रवार को आयोजित किया गया।

इस अवसर पर युवा कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुतियां दी। कार्तिक शुक्ला ने तबला वादन किया, जबकि सतना की छाया भासनी ने कथक नृत्य प्रस्तुत किया। अनिल जायसवाल के सरोद वादन ने अलाउद्दीन खां घराने की परंपरा को दर्शाया और दर्शकों की सराहना प्राप्त की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की ओर से अनुपयोगी वस्तुओं से बनाई गई कलाकृतियों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। यह प्रदर्शनी रचनात्मकता और पर्यावरण जागरूकता का प्रतीक बनी तथा सभी के लिए आकर्षण का केंद्र रही।

दीनदयाल शोध संस्थान में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयुष मंत्री ने किया शुभारम्भ

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश विज्ञान प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल एवं डीआरआई के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रशिक्षण का आयोजन लोहिया सभागार उद्यमिता विद्यापीठ दीनदयाल परिसर में आयोजित किया गया। जिसका शुभारम्भ शनिवार को मध्यप्रदेश के उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इंदर सिंह परमार, कुलगुरु महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय प्रो. भरत मिश्रा ने राष्ट्र ऋषि नानाजी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व माल्यार्पण के साथ किया।

उद्घाटन सत्र में अपने आतिथ्य उद्बोधन में मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि भारतीय ज्ञान एवं विज्ञान तथा परम्पराएँ विश्व में सर्वश्रेष्ठ हैं। आवश्यकता इस बात की है कि हम परम्परागत ज्ञान का संरक्षण व संवर्धन करने के साथ-साथ उसे लिपिबद्ध करें, जिससे वह जनमानस के लिए उपयोगी सिद्ध हो सके, यह कार्य उनका विभाग कर रहा है। आयुर्वेद के माध्यम से हम स्वास्थ के क्षेत्र में बेहतर, सस्ता, कारगर एवं स्थाई समाधान कर सकते हैं। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के माध्यम से स्थानीय स्तर पर यह कार्य बेहतर हो सकता है जिसका सफल प्रयोग दीनदयाल शोध संस्थान कर रहा है यह अनुकरणीय है। मंत्री परमार ने कहा कि स्वस्थ भारत का सपना मध्यप्रदेश की धरती से वर्तमान सरकार पूर्ण करने की दिशा में सकारात्मक प्रयास कर रही है और इसके अपेक्षित परिणाम भी प्राप्त हो रहे हैं। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण में स्वास्थ्य कार्यकर्ता को हरी ताजी औषधियों की जानकारी, उनकी पहचान, उनकी मात्रा और उनकी सेवन विधि की जानकारी, उपचार विधि, स्वच्छता, नशा मुक्ति, दंत रोग, पथ्य-अपथ्य एवं आहार तथा संक्रामक बीमारियों से बचाव आदि कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा एवं प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

रेप पीड़िता ने की सुसाइड की कोशिश, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष पर केस दर्ज; गिरफ्तारी न होने पर खाई नींद की गोलियां

मीडिया ऑडिटर , सतना (निप्र)। सतना में भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा के खिलाफ दुष्कर्म और धमकी देने की शिकायत करने वाली महिला ने जान देने की कोशिश की। महिला ने शुक्रवार रात नींद की ज्यादा गोलियां खा ली थी। पुलिस ने समय रहते पीड़िता को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार उसकी हालत फिलहाल स्थिर है। पीड़िता का कहना है कि एफआईआर दर्ज होने के बाद भी अब तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई। इस दौरान उसे और उसके परिवार को लगातार धमकियां मिल रही थीं। भाजपा नेता के कुछ समर्थकों ने उसकी पर्सनल आईडी से फोटो-वीडियो लेकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक कमेंट्स किए। इससे तंग आकर पीड़िता ने आत्महत्या का प्रयास किया।

पहचान उजागर करने वालों पर एफआईआर: कोलगवां टीआई सुदीप सोनी ने बताया कि पीड़िता की हालत में फिलहाल सुधार है और उसका इलाज चल रहा है। वहीं पूरे मामले की जांच अभी जारी है, इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने महिला की पहचान उजागर करने वाले एक वॉट्सएप ग्रुप के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला के फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करने वाले अन्य लोगों की भी पहचान की जा रही है। मामले में पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर सफाई दी थी। उन्होंने कहा था कि उन पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। छवि खराब करने के लिए उन्हें फंसाया जा रहा है।

नौकरी लगवाने के नाम पर दुष्कर्म का आरोप: मामला 24 अप्रैल 2025 का है। पीड़िता ने कोलगंवा थाने में शिकायत की थी कि सतीश शर्मा ने उसे चाय पीने के लिए घर बुलाया था। इसी दौरान उसके साथ छेड़खानी की। महिला का आरोप था कि नौकरी लगवाने के नाम पर उसका दैहिक शोषण किया। आरोप सामने आने के बाद उन्हें पद से हटा दिया गया था। पार्टी से निष्कासित भी कर दिया गया था।

परम पूज्य नाना जी देशमुख के सबसे भरोसेमंद सारथी संजय से हुई मुलाकात

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। संजय जी, जिनका 14 वर्षों तक नाना जी के साथ सेवा का अनुभव है, उन्हें दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट से बिना किसी कारण के निकाला गया। वे ऋण में ईमानदार और विश्वास पात्रों में विख्यात हैं और लगभग सभी बड़े संघ के लोगों एवं जनता की सेवा कर चुके हैं। हमें गर्व है कि वे हमारे छोटे से गांव शहीद ग्राम पिंडरा के निवासी हैं और महान विभूति माननीय नाना जी सहित अन्य दिग्गजों की सेवा का सौभाग्य प्राप्त किया।

उनके पुत्र का नामकरण पार्थ नानाजी के मुखारविंद से ही हुआ, और वे नाना जी के आखिरी दिनों में सबसे प्रिय लोगों में से एक थे। शायद इन्हीं के कारण नाना जी की अंतिम गांव यात्रा पिंडरा में हुई, जो मेरे गांव का सौभाग्य रहा।

महान विभूतियों की संगति में रहने के कारण संजय जी का आदर्शवादी और प्रेरणादायक विचारधारा विकसित हुई है। उन्होंने जीवन की विकट परिस्थितियों में भी मुस्कुराते हुए सेवा भाव बनाए रखा, जिसका मैं खुद गवाह हूँ।

यह सब उसी संगति का परिणाम है, जिसकी कीमत इस भ्रष्ट और चमचागिरी के युग में चुकानी पड़ेगी। संजय जी जैसे व्यक्तित्वों की संगति से ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

गरीब एवं जरूरतमंदों को शासन की योजनाओं का मिल रहा लाभ : राज्यपाल

राज्यपाल एकलब्य आदर्श आवासीय विद्यालय हितग्राही संवाद कार्यक्रम में हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल शनिवार को मैहर के एकलब्य आदर्श आवासीय विद्यालय में आयोजित हितग्राही संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। राज्यपाल ने संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शासन के सहयोग से महिलायें हर क्षेत्र में आगे आ रही है। उन्होंने कहा कि गरीब एवं जरूरतमंदों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल रहा है। शासन की बेटी बचाओं, बेटी पढाओं, लाडली लक्ष्मी योजना तथा महिला सशक्तिकरण योजनान्तर्गत महिलाएं सेल्फ-हेल्प ग्रुप के द्वारा विभिन्न व्यवसायों के माध्यम से कमाई कर अपना जीवन स्तर सुधार रहीं है तथा पुरूषों से कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है और परिवार संचालन में सहयोग कर रहीं है।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि सरकार द्वारा पी.एम. जनमन योजनान्तर्गत 24 हजार करोड रूपये की योजना बनाई है, जिसमें 9 विभाग कार्य कर रहे हैं। मध्यप्रदेश में पीएम जनमन योजना के तहत 13 लाख 4 हजार हितग्राहियों को लाभ मिल रहा है। प्रदेश के गरीब एवं पिछडी जाति के बैगा, पहारिया, सहारिया और गौड जनजाति के विद्यार्थियों के लिए एकलब्य विद्यालय में 12वीं तक की पढाई की व्यवस्था की गई है। इन विद्यालयों में रहने एवं पढने की व्यवस्था है। धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना, पीएम जनमन योजना जनजाति वर्ग के लिए है।

प्रदेश की कुल जनसंख्या में करीब 21 प्रतिशत जनजाति वर्ग के हैं। इनके लिए 80 हजार करोड रूपये की योजना बनाई गई है, जिसमें 18 विभाग कार्य कर रहे हैं। जनजाति के छात्र-छात्राओं के लिए प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। राज्यपाल ने कहा कि सरकार गरीबों के प्रति संवेदनशील है। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से 5 लाख रूपये तक का इलाज किया जाता है। प्रदेश के हर घर में शासन की कोई ना कोई योजना लागू है, जिसके तहत पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। पीएम की मन की बात कार्यक्रम स्कूलों में भी शुरू किया गया है। राज्यपाल पटेल ने कहा कि सिकल सेल के तहत कार्ड बनाए जा रहे है तथा मुफ्त जांच, एवं दवाई का वितरण किया जा रहा है।

बाइक जलाने, 12 बोर का कट्टागोली चलाने का आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडिटर , सतना (निप्र)। सतना की नागौद पुलिस ने पुरानी रंजिश के चलते घर में घुसकर फायरिंग और बाइक जलाने की घटना में फरार चल रहे मुख्य आरोपी को चार माह बाद गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से 12 बोर का कट्टा और एक जिंदा कारतूस भी बरामद किया गया है।यह घटना बीते 14 जून की रात को हुई थी, जब प्रांजल सिंह (19), निवासी सुरदहा, थाना जसो, हाल बापूनगर नागौद, अपने घर पर सो रहे थे। देर रात आरोपी देवव्रत उर्फ देवरत सिंह (20), निवासी उमरी, अपने साथियों प्रियांशु सिंह, अक्षत अग्रवाल और नीलेन्द्र सिंह के साथ प्रांजल के घर पहुंचा। आरोपियों ने घर के बाहर गाली-गलौज की और बाउंड्री का गेट खोलकर अंदर घुस गए।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।